सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

परिवहन विशेष

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

वर्ष 02, अंक 232, नई दिल्ली । गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज

www.newsparivahan.com

03 भारत में 2033 तक सालाना 1 ट्रिलियन साइबर हमले होने की संभावना

06 सुपर कंप्यूटर से से क्वांटम कंप्यूटर तक

08 इस्कॉन को गजपति का पत्रः यदि जन्माष्टमी एक ही दिन है, तो रथ यात्रा अलग क्यों है?

दिल्ली परिवहन विभाग की आटो - टैक्सी शाखा में कार्यरत अधिकारियों की कार्यशैली से चालक परेशान

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग की आटो - टैक्सी शाखा में डीटीओ के अलावा दो इंस्पेक्टर कार्यरत हैं और इन सभी की कार्यशैली पर लगातार पिछले कई महीनों से वाहन चालक, मालिक, यूनियन, एसोसिएशन और जन सेवाओं में लगे शिकायते करते आ रहे है। वाहन चालक और सभी यूनियन / एसोसिएशन इसके प्रति आला अधिकारियों और परिवहन मंत्री से मिलकर बैठकों के दौरान और लिखित में भी अनगिनत शिकायते कर चुके है पर उसके बाद भी उनका हाल बेहाल है। **अपनी इच्छा के तहत किस का काम एक दिन में करना है और किस का काम महीने में करना है और किस का काम महीनों में भी नहीं करना इन सभी की प्रवृति बन चुकी हैं।**

आला अधिकारियों के शिकायतों पर जो निर्देश जारी हो रहे हैं वह सिर्फ शायद दिखावे के लिए जारी किए जा रहे हैं क्योंकि आला अधिकारी के आदेश/ दिशा निर्देश के बाद भी यह अधिकारी चालकों के काम करने को तैयार नहीं हैं।

आटो टैक्सी शाखा के दोनों इंस्पेक्टर का आने और जाने का भी कोई समय निश्चित नहीं है जैसे वह नौकरी पर नहीं अपने स्वयं के कार्यालय पर आ रहे हो और इस सब बातों की जानकारी होने के बाद भी आला अधिकारी की विशेष अनुकम्पा इन पर बनी हुई हैं।

अब सवाल यह उठता है की रोज मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने वाला आटो - टैक्सी चालक आज की तारीख में परिवहन विभाग की कार्यशैली ऑनलाइन फेस फ्री आवेदन के बाद भी अपने कार्य की पूर्ति के लिए अपने रोजगार को छोड़कर इस शाखा के महीनो चक्कर लगाए और फिर भी यह अधिकारी उनके काम नहीं करके दे तब क्या करे यह चालक।

दूसरा सवाल यह उठता है की **क्या इसीलिए ऑनलाइन फेस फ्री आवेदन सेवा पर जोर था जिससे चालक परेशान होकर मध्यांतर का सहयोग प्राप्त करने को मजबूर हो।**

सच्चाई जो सामने आ रही है वह यह है की आला अधिकारियों, परिवहन आयुक्त एवम्-परिवहन मंत्री को शिकायते करने के बाद भी वाहन मालिकों और चालकों का बुरा हाल है और आला अधिकारी की कृपा दृष्टि पाए यह अधिकारी चालक का काम करने को तैयार नहीं। **अब आप ही बताए कहा जाकर अपनी परेशानी को सुनाए यह वाहन मालिक और चालक क्योंकि आला अधिकारी और परिवहन मंत्री की तो इन अधिकारियों को पूर्ण कृपा प्राप्त है।**

अगला सवाल यह भी उठता है कि **क्या इसी को कहते है ऑनलाइन फेस फ्री आवेदन कार्यशैली ?**

ऊपरलिखित बातों की पुष्टि कोई भी बिना पूर्व सूचना दिए सुबह से शाम तक इस शाखा में जाकर और वहां चक्कर पर चक्कर लगाने वाले चालकों की परेशानी को सुन और देखकर प्राप्त कर सकता है पर **वाहन मालिकों और चालकों जिन्होंने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनवाने में सबसे बड़ा योगदान दिया था की आज सुनने और देखने वाला कोई नहीं है, आखिर क्यों ?**

क्या अब आम आदमी पार्टी को दिल्ली के आटो टैक्सी चालकों की आवश्यकता आगे नहीं है ?

क्या इनकी जगह आम आदमी पार्टी ने किसी और को अपने साथ मिला लिया है जिस कारण इन ऑटो टैक्सी चालकों के समर्थन, वोट और सहयोग की आवश्यकता नहीं रही ?

या परिवहन विभाग के इस प्रकार के अधिकारियों को आला अधिकारी और परिवहन मंत्री की कृपा इस लिए प्राप्त है की यह पार्टी के लिए दिल्ली में पंजीकृत व्यावासायिक वाहन मालिकों और चालकों से ज़्यादा पार्टी फंड और वर्कर्स की पूर्ति करने में सक्षम हैं ?

दिल्ली-एनसीआर में भीषण ट्रैफिक जाम से लोग परेशान, सड़कों पर रेंगती रही गाड़ियां

दीपावली से एक दिन पहले खरीदारी के लिए लोग बाजारों में उमड़े। जिस वजह से यमुनापार में भीषण जाम देखने को मिला। एनएच-नौ और आनंद विहार बस अड्डे के पास घंटो जाम से वाहन चालक जूझे। इस कारण से चलती गाड़ियों खासकर बस के पीछे अपने-अपने घर जाने वाले यात्री दौड़ते दिखे। यही हाल रेलवे स्टेशनों और आस-पास के इलाके में देखने को मिली।

दिल्ली। दीपावली से एक दिन पहले खरीदारी के लिए लोग बाजारों में उमड़े। जिस वजह से यमुनापार में भीषण जाम लगा। एनएच-नौ व गाजीपुर से अप्सरा बार्डर की ओर जाने वाला रोड सबसे ज्यादा प्रभावित रहा।

यहां चार से पांच किलोमीटर लंबा जाम लगा। लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। जाम खुलवाने में पुलिस के भी पसीने छूट गए। जाम में फंसे वाहन चालकों का बुरा हाल हो गया।

वाहन एनएच-नौ की सर्विस लेन पर किए खड़े

गाजीपुर मंडी में फूलों की खरीदारी करने के लिए सुबह से ही लोग जुटने लगे। दिनभर खरीदारी का सिलसिला चला। लोगों को मंडी में वाहनों के खड़ा करने की जगह नहीं मिली तो उन्होंने अपने वाहन एनएच-नौ की सर्विस लेन पर खड़े कर दिए।

इससे गाजीपुर से लेकर अक्षरधाम तक जाम लग गया। दस मिनट का रास्ता तय करने में लोगों को डेढ घंटे का समय लगा। वाहनों की पार्किंग की वजह से वहां बोटलनेक की स्थिति बन गई। आनंद विहार बस अड्डे के अंदर व बाहर काफी संख्या में यात्री पहुंचे।

गाजीपुर से अप्सरा बॉर्डर की ओर जाने वाले रोड पर भीषण जाम

फुटओवर ब्रिज खचाखच भरा रहा। स्थिति ऐसी थी कि लोग एक दूसरे के सहारे से आगे बढ़ रहे थे। बसों के इंतजार में लोग बस अड्डे के बाहर खड़े हुए थे।

पुलिस के समाने ही लोग डीएमई पर कूद गए।

गाजीपुर से अप्सरा बॉर्डर की ओर जाने वाले रोड पर भीषण जाम लगा रहा। यात्रियों की संख्या अधिक होने की लोगों को बसों के लिए दो से तीन घंटे इंतजार करना पड़ा।

करीब 5000 बिकी नई कारें तो 300 करोड़ रुपये के बिके बर्तन

धनतेरस 2024 पर दिल्ली की सड़कों पर लगभग 5000 नई कारें आईं। जिसमें एसयूवी कारों की हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी रही। वहीं लग्जरी सेगमेंट में भी 200 कारें बिकीं। बर्तन बाजार की बात करें तो इसमें भी चहल-पहल देखी गई और अनुमान है कि करीब 300 करोड़ रुपये के बर्तन बेचे गए। इस त्योहारी मौसम में दिल्ली में 1200 करोड़ रुपये के बर्तनों की बिक्री की संभावना है।

इस बार दीवाली पर आठ सालों का रिकॉर्ड तोड़ सकता है प्रदूषण, देखें बीते कुछ सालों का रिकॉर्ड

इस बार दिवाली आठ सालों में सबसे ज्यादा प्रदूषित रह सकती है। पराली जलाने के मामलों में आ रही तेजी और मौसम के कारकों से इस बात के साफ संकेत दिख रहे हैं कि दीवाली पर दिल्ली का एक्यूआई 400 पार कर सकता है। अभी तक मौसम का जो रुख दिख रहा है उससे यह अनुमान लगाया जा रहा है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इस बार दीवाली आठ सालों में सबसे ज्यादा प्रदूषित रह सकती है। पराली जलाने के मामलों में आ रही तेजी और मौसम के कारकों से इस बात के साफ आसार दिख रहे हैं कि दीवाली पर दिल्ली का एक्यूआई 400 पार कर सकता है।

वर्ष 2016 में तो दीवाली से एक दिन पूर्व ही एक्यूआई "गंभीर" श्रेणी में पहुंच गया था। हवा की रफ्तार कम होने और पराली के धुएं का असर अब दिल्ली की हवा पर साफ दिखाई देने लगा है।

दीवाली के दिन पहुंच सकती है 'गंभीर' श्रेणी में

अभी तक मौसम का जो रुख दिख रहा है, उससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि दीवाली के पहले तो हवा "बहुत खराब" श्रेणी में आ ही चुकी है, बृहस्पतिवार को दीवाली के दिन "गंभीर" श्रेणी में पहुंच सकती है।

अगर ऐसा होता है तो यह वर्ष 2016 के बाद सबसे ज्यादा प्रदूषित दीवाली हो सकती है। सीपीसीबी के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल यानी 2023 में दीवाली से पहले और दीवाली के दिन हवा सबसे ज्यादा साफ-सुथरी रही थी।

साल 2015 के बाद दीवाली से एक दिन पहले और दीवाली के दिन का AQI

वर्ष 2015
दीवाली से पहले 10 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांक : 353
दीवाली के दिन 11 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 343

वर्ष 2016
दीवाली से पहले 29 अक्टूबर ,वायु गुणवत्ता सूचकांकः 403
दीवाली के दिन 30 अक्टूबर वायु गुणवत्ता सूचकांकः 431

साल 2017
दीवाली से पहले 18 अक्टूबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 302
दीवाली (19 अक्टूबर) वायु गुणवत्ता सूचकांकः 319

साल 2018
दीवाली से पहले 06 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 338
दीवाली (07 नवंबर), वायु गुणवत्ता सूचकांक : 281

साल 2019
दीवाली से पहले 26 अक्टूबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 287
दीवाली 27 अक्टूबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 337

साल 2020
दीवाली से पहले 13 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 296
दीवाली14 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 414

साल 2021
दीवाली से पहले 03 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 314
दीवाली 04 नवंबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 382

साल 2022
दीवाली से पहले 23 अक्टूबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 259
दीवाली के दिन 24 अक्टूबर, वायु गुणवत्ता सूचकांकः 312

साल 2023
दीवाली से पहले 11 नवंबरः 220
दीवाली के दिन 12 नवंबरः 218

दिल्ली में प्रदूषण अभी भी बना हुआ है और दीवाली पर इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है। मंगलवार को हवा की गुणवत्ता (Air Quality) में सुधार हुआ लेकिन बुधवार को हालात फिर से खराब दिखे। एनसीआर के शहरों में फरीदाबाद, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद व ग्रेटर नोएडा में भी हवा की गुणवत्ता थोड़ी बेहतर दर्ज हुई।

दीपावली 2024 की बेला आई - भक्तों नें मन्नत सुनाई-हे मां लक्ष्मी ,दरिद्रता-ग़रीबी हरो-धन की बारिश करो

आओ सभी मिलकर अपने परिवार,समाज,देश के लिए सुख समृद्धि धन-धान्य भरपूर करने की स्तुति करें-पटाखों संबंधी सरकारी दिशा निर्देशों का पालन करें

लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में माँ लक्ष्मी अपनी कृपा दृष्टि बरसाने निकली है, जिसपर नज़र पड़ी उसकी किस्मत निहाल धन धान्य से मालामाल,ऐसी मान्यता है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनाना गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - भारत सहित पूरी दुनियाँ में पौराणिक काल से भारतीयों के बीच ऐसी मान्यता है कि जो मां लक्ष्मी के सामने दिल से भावपूर्ण भाव से अपनी मनोकामना रखेगा मां लक्ष्मी उन शुद्ध निस्वार्थ ईमानदार भावों पर अपनी कृपा दृष्टि ज़रूर बरसाती है और उनकी दरिद्रता गरीबी हर लेती है,व धन-धान्य की बारिश करती है जिसका सटीक दिन दीपावली और पल या क्षण लक्ष्मी पूजा है।इस बार दीपावली की तारीख को लेकर दुनियाँ भर में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली मनाए जाने का विधान है। कुछ लोगों द्वारा 31 अक्टूबर को दीपावली मनाई जा रही हैं तो, तो कुछ का कहना है कि दीपावली 1 नवंबर को मनाई जाएगी। देशभर के विद्वान और ज्योतिषाचार्य ने दीपावली पर्व के निर्धारित तिथि को लेकर अपने विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने पंचांग के मुताबिक पर्व की तारीख भी बताई है।अनेक शहरों में इस बार दिवाली दो दिन मनाई जा सकती है। सरकारी दफ्तरों में छुट्टी 31 अक्टूबर को है, जबकि बड़े मंदिरों में दिवाली एक नवंबर को मनाई जाएगी, जिससे लोग भ्रमित हैं। कुछ लोगों का मानना है कि छुट्टी 31 अक्टूबर को है, इसलिए पर्व भी उसी दिन मना रहें हैं। जानकारों ने बताया कि दिवाली कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाई जाती है, जो 31 अक्टूबर को दोपहर 3:52 बजे से शुरू होगा। दिवाली पर लक्ष्मी पूजन संध्या काल में किया जाता है। एक नवंबर को अमावस्या सुबह सवा छह बजे तक ही है, इसलिए इसके बाद लक्ष्मी पूजन नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि दिवाली 31 अक्टूबर को मनाना शुभ है।आचार्य शास्त्रियों के यह विचार मीडिया में प्रकाशित हो रहे हैं। चूँकि दीपावली मनाने के साथ हमें वायु प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए केंद्र व राज्यसरकारों द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करना भी ज़रूरी है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,आओ सभी मिलकर अपने परिवार, समाज, देश के लिए सुख समृद्धि धन-धान्य भरपूर करने की स्तुति करें - पटाखों संबंधी सरकारी दिशा निर्देशों का पालन करें।

साथियों बात अगर हम दीपावली के पावन पर्व पर भारत में आम से लेकर खास व्यक्तियों में उत्साहित भावपूर्ण माहौल की करें तो धनतेरस के दिन से ही जोरदार खरीदी शुरू कर दी थी। दीपों का त्योहार दीपावली नगर व आसपास के गांवों में बड़ी धूमधाम से मनायाजा रहा हैं। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में बाजारों में चहल-पहल व भारी भीड़ रही, वहीं लोगों ने मिठाइयां व चाइनिज लड़ियों की जमकर खरीदारी की। बाजार दुल्हन की तरह सजे हुए थे। लोगों ने पटाखे, मिठाइयां, लड़ियां, मोमबतियां जमकर खरीदी।

आधुनिकता की चकाचौंध के चलते मिट्टी के बर्तन बनाने वाले प्रजापति समाज के लोगों के दिये की बिक्री इस बार और भी जोरदार रही।जिसे लेकर प्रजापति समाज के लोगों में खुशी ही रही। सांय के समय लोग दीपावली पूजन के दौरान लक्ष्मी, गणेश की पूजा कर घर में सुख शांति की कामना करेंगे । आसपास के गांवों में दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया गया। बाजारों में सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई रही और हर दुकान पर खरीदारी करने वाले लोगों का हजूम उमड़ रहा था। लोगों ने जमकर खरीदारी की। बच्चों व युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की और आसमान रंगबिरंगी आतिशबाजी से चमक रहा था। दीपावली के चलते लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी और मिठाइयां बांटी। लोगों ने अपने घरों में रंगबिरंगी लाइटें व दीप जलाए हुए थे और शाम को भगवान श्रीगणेश व माता लक्ष्मी जी की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की।

साथियों बात अगर सरयू घाट यूपी में 28 लाख दिए जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने की करें तो, रामनगरी के दीपोत्सव में मंगलवार को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की 30 सदस्यीय टीम घाटों पर पहुंचकर दीयों की गिनती की,यूपी सीएम के निर्देश पर विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के सहयोग से सरयू घाट पर 30 अक्टूबर को सायं हुए दीपोत्सव के लिए पूरी ताकत लगा दी। दीपोत्सव के लिए चारों स्थलों को 55 घाटों में विभक्त किया गया है। कुल 28 लाख दीपकों को सजाया है। वहीं पूरे अयोध्या की बात करें तो करीब 35 लाख से अधिक दीये जलाने की सम्भावना है। रिकॉर्ड प्रयासों के अंतिम परिणाम 30 अक्टूबर को दीयों के प्रज्वलन के बाद घोषित किए।

साथियों बात अगर हम केंद्री व राज्य सरकारों द्वारा वायु प्रदूषण को रोकने पटाखों कों जलाने संबंधी दिशा निर्देशों के पालन करने की करें तो, दिल्ली महाराष्ट्र पंजाब हरियाणा तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों ने दिशा निर्देश चल जारी किए हैं रात्रि 10 के बाद ध्वनि प्रदूषण वाला आदेश माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही जारी है (1) दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आदेश ने 1 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सभी प्रकार केपटाखों के निर्माण भंडारण बिक्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वितरण और फोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस दौरान केवल ग्रीन पटाखों को ही चलाने की अनुमति है। दीपावली (31 अक्टूबर, 2024) को रात 8 बजे से 10 बजे तक पटाखे चलाने की अनुमति होगी।अगर हम दिल्ली में बैन के बावजूद पटाखे फोड़ते हैं, तो पकड़े जाने पर हमारे खिलाफ़ कार्रवाई की जा सकती है,हम पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है, तो वहीं 6 महीने की जेल की सजा दी जा सकती है।(2) पंजाब की सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पटाखों को पूरी तरह से बैन कर रखा है। हालांकि दिवाली वाले दिन रात 8 बजे से 10 बजे तक पटाखे फोड़ने दिए जाएंगे।(3) हरियाणा के गुरुग्राम में दीपावली की रात को ग्रीन पटाखों को छोड़कर, सभी तरह के पटाखों पर प्रतिबंध जारी रहेगा। बुधवार को जारी आदेश में निर्दिष्ट किया गया है कि केवल ग्रीन पटाखे ही चलाए जाएंगे, जो कि विशिष्ट त्योहारों के दौरान उपयोग किए जा सकते हैं।(4) बिहार सरकार ने राज्य के 4 शहरों में पटाखे जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दिया है। इस साल पटाखे जलाने की अनुमति नहीं दी गई है उनमें राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर और गया शामिल है। इन शहरों में पटाखों की बिक्री का लाइसेंस भी जारी नहीं किया गया है। अगर कोई व्यक्ति चोरी छिपे पटाखों की बिक्री करता पाया जाता है तो उसके खिलाफी सख्त कार्रवाई की जाएगी।(5) महाराष्ट्र और (6) पश्चिम बंगाल ने भी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों के तहत केवल ग्रीन पटाखों को ही फोड़ने की आजादी होगी। ये ग्रीन पटाखे पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30 प्रतिशत कम प्रदूषण फैलाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। बीएमसी मुंबई गाइडलाइंस के अनुसार, मुंबईवासी रात10 बजे के बाद पटाखे नहीं फोड़ सकते इसके अलावा,कम पटाखेजलाने की भी अपील की जा रही है। साथ ही कहा गया है कि पटाखे खुले इलाकों में फोड़े जाने चाहिए, गलियों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर नहीं।पटाखे भी यथासंभव कम से कम फोड़ने चाहिए, जिससे वायु और ध्वनि प्रदूषण को कुछ हद तक कम किया जा सके। पटाखों से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, अस्थमा ग्रसित लोगों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर रखने के लिए बीएमसी की गाइडलाइंस का ध्यान रखना जरूरी है।वहीं, प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए बृहन्मुंबई नगर निगम प्रशासन इस प्रकार अपील कर रहा है-(1) दिवाली रोशनी का त्योहार है. इसे प्रकाश के साथ मनाने को प्राथमिकता देकर ध्वनि और वायु प्रदूषण से बचें (2) ध्वनि रहित पटाखों के प्रयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए (3) ऐसे पटाखे फोड़ने चाहिए जिनसे कम से कम वायु प्रदूषण हो (4) रात 10 बजे तक ही पटाखे फोड़ें (5) वरिष्ठ नागरिकों और हृदय रोगियों के प्रति जिम्मेदारी समझते हुए तेज आवाज वाले पटाखे जलाने से बचें (6) सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी जाए (7) पटाखे फोड़ते समय सूती कपड़े पहनने चाहिए,ढीले (बड़े) कपड़ों का प्रयोग न करें (8) पटाखे खुली जगह पर ही जलाने चाहिए। (9) भीड़-भाड़ वाली जगहों, गलियों में पटाखे नहीं फोड़ने चाहिए।(10) पटाखे फोड़ते समय बच्चों के साथ बड़े लोगों होना जरूरी है।(11)पटाखे फोड़ते समय सुरक्षा की दृष्टि से बाल्टी में पानी, रेत आदि भरकर रखें (12)पटाखे जलाते समय सूखे पत्ते, कागज या अन्य कोई सामग्री नहीं जलानी चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दीपावली 2024 की बेला आई - भक्तों नें मन्नत सुनाई -हे मां लक्ष्मी दरिद्रता गरीबी हरो - धन की बारिश करो।आओ सभी मिलकर अपने परिवार, समाज देश के लिए सुख समृद्धिधन धान्य भरपूर करने की स्तुति करें-पटाखों संबंधी सरकारी दिशा निर्देशों का पालन करें।लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में माँ लक्ष्मी अपनी कृपा दृष्टि बरसाने निकली है, जिसपर नज़र पड़ी उसकी किस्मत निहाल धन धान्य से मालामाल,ऐसी मान्यता है।

दीवाली पूजा में मां-लक्ष्मी और गणेश जी को लगाएं मोतीचूर के लड्डू का भोग, आसान है रेसिपी

बढ़ती उम्र में हड्डियों से संबंधित कई समस्याएं घेरने लगती हैं. अक्सर महिलाएं अपने खानपान का ध्यान नहीं रखती हैं, जिससे उन्हें 30-40 की उम्र में ही बोन संबंधित प्रॉब्लम होने लगती हैं. ये परेशानी और अधिक ना बढ़े, इसके लिए जरूरी है कि आप अभी से ही कैल्शियम से भरपूर फूड्स का सेवन शुरू कर दें. यहां 5 कैल्शियम रिच फूड्स के बारे में बता रहे हैं, इन्हें आप जरूर खाएं.

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के अंग धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं. हड्डियों के साथ भी ऐसा ही है. यदि आप कम उम्र हेल्दी और पौष्टिक से भरपूर फूड्स का सेवन नहीं करेंगी तो आगे चलकर कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं. सबसे ज्यादा लोगों को हड्डियों की समस्या परेशान करने लगती है. खासकर महिलाएं 30 से 40 की उम्र में ही शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी के कारण परेशान रहती हैं. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनकी डाइट में कैल्शियम रिच फूड्स की कमी होती है. आप नहीं चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में आपको गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द, बोन फ्रैक्चर की समस्या हो तो आप यहां बताए गए कैल्शियम से भरपूर चीजों को डाइट में आज से ही शामिल करें.

कैल्शियम की जरूरत शरीर को क्यों होती है?

हेल्थ डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, कैल्शियम शरीर में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला मिनरल है. ये एक ऐसा पोषक तत्व है, जो आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है. मांसपेशियों को शक्ति प्रदान करता है. नर्व और हार्मोन फंक्शन को सपोर्ट करता है. कैल्शियम को शरीर स्वाभाविक रूप से प्रोड्यूस नहीं करता है, इसलिए, हड्डियों को मजबूती देने और बेहतर हेल्थ के लिए डाइट में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम से भरपूर फूड्स को शामिल करना महत्वपूर्ण है. आपके शरीर में 99% से अधिक कैल्शियम हड्डियों और दांतों में पाया जाता है.

कितना हो एक दिन में कैल्शियम का इनटेक

अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (2016 तक) के अनुसार, 4 से लेकर उससे अधिक उम्र वालों के लिए कैल्शियम का अनुशंसित डेली वैल्यू 1,300 मिलीग्राम निर्धारित किया है. हालांकि, कैल्शियम की जरूरत व्यक्ति की उम्र, लिंग पर आधारित होती है. फूड एंड न्यूट्रिशन बोर्ड के अनुसार कैल्शियम के लिए अनुशंसित डायटरी अलाउएंसेज (RDAs) अलग-अलग हैं. 14 से 18 वर्ष के टींस को 1300 एमजी डेली कैल्शियम इनटेक जरूरी है. वहीं 19 से 50 वर्ष के लोगों के लिए 1000 एमजी. 51 से 70 वर्ष के पुरुषों को 1 हजार एमजी तो इसी उम्र की महिलाओं को 1200 एमजी कैल्शियम का डेली इनटेक जरूरी है.

कैल्शियम की पूर्ति के लिए महिलाएं खाएं ये फूड्स

खसखस- महिलाओं को कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध, दही के अलावा, खसखस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. खसखस आयरन, कैल्शियम, गुड फैट का बेहतरीन सोर्स है. हालांकि, इसकी तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका सेवन आप सीमित मात्रा में ही करें. कैल्शियम रिच खसखस के नियमित सेवन से आप अपनी हड्डियों को बीमारियों से बचा सकती हैं.

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स- अक्सर महिलाएं घर के कामों में लगी रहती हैं और अपने खानपान पर ध्यान कम देती हैं. कुछ महिलाएं तो डेली दूध, दही का सेवन भी नहीं करती हैं. कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध और इससे बनी चीजें आप डेली खाएं. तभी बढ़ती उम्र में बोन रिलेटेड समस्याओं से बची रहेंगी. डेयरी प्रोडक्ट्स अन्य फूड्स की तुलना में कैल्शियम में सबसे अधिक भरपूर होते हैं. इसके लिए आप चीज की भी सेवन कर सकती हैं.

चिया सीड्स- ये बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होते हैं. इसे आप दही, स्मूदी, दूध या फिर पानी में डालकर भी पी सकती हैं. कैल्शियम का बेहतरीन सोर्स हैं चिया के बीज. प्रत्येक 100 ग्राम सर्विंग में लगभग 400 से लेकर 600 एमजी कैल्शियम की पूर्ति होगी.

हरी पत्तेदार सब्जियां- सब्जियां सेहत का खजाना होती हैं. खासकर, हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से आपको भरपूर पोषण मिलेगा. इनमें विटामिन ए, सी, ई, के, आयरन, फाइबर के साथ ही कैल्शियम भी होता है. आप पालक, केल का सेवन जरूर करें. पत्तेदार सब्जियों के सेवन से महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी भी नहीं होगी. पालक खाने से आपको कैल्शियम, आयरन के साथ ही विटामिन ए, सी भी मिलेगा. केल का सेवन आप सलाद या किसी भी ड्रिंक में ब्लेंड करके कर सकती हैं.

नट्स और सीड्स- कुछ नट्स में कैल्शियम काफी अधिक होता है. बादाम, तिल, अलसी के बीज खाएं. इनसे आपको कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन के, कई तरह के मिनरल्स, फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स की प्राप्ति होगी. एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स के कारण कोशिकाओं को होने वाली नुकसान से बचाते हैं. कैल्शियम के लिए आप बादाम का सेवन भी कर सकती हैं।

एक दीपक राष्ट्र के नाम।

हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'मिट्टी की यहाँ खुशबू अपनी सौंधी महक की प्रतीक है,
दीपों का प्रज्वलित होना
उंमगता का रस वंदन है
आओ फिर से वही देसी
रंग में त्योहार को मनाएं
एक दीपक आपने राष्ट्र के नाम पर जलाएँ।

देश हमारा अपना सर्व-शान्ति का पर्यवेक्षक है,
वह खुशहाल रहेगा तो हम खुशियां मनाएंगे
अपनों से स्नेह के बंधन में बंधते जायेंगे
एक दीपक जब हम अपने राष्ट्र के नाम पर जलायेंगे।

एक नन्हा दीपक जग का अंधकार मिटाएगा,
मन में, तन में समन्वय व सौहार्द को बढ़ाएगा
फिर आपस में मिलकर हम एकजुटता का संदेश फैलाएं
जब एक दीपक हम अपने राष्ट्र के नाम पर जलाएंगे।

सृजनात्मकता, रचनात्मकता व सकारात्मकता की बागडोर से,
हम पर्व व त्यौहार में अपने देश को आगे बढ़ाएंगे
इस युवा भारत में फिर झिलमिलाते दीपक जगमगाएंगे,
जब हम एक दीपक अपने राष्ट्र के नाम पर जलाएंगे।

सदियों से हम दुश्मनों के हाथों छले गए,
गुलामी के दौर में हम बहुत पीछे हो गए
पर आजादी के बाद हम फिर नव प्रभात की बेला में आजाद हो गए,
आज स्वतंत्रता की इस आबोहवा में नए भारत का वंदन करें,
हम दीपावली पर एक दीपक राष्ट्र वंदना में स्वयं जलाएँ ॥

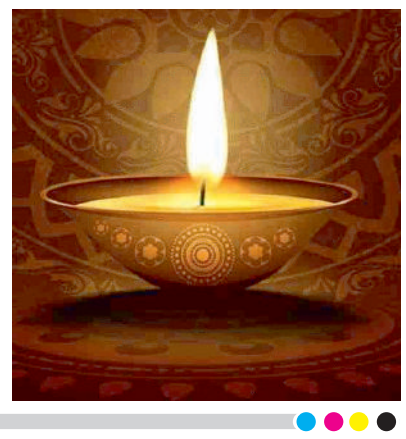

दीवाली पर इन खूबसूरत रंगोली डिजाइन से सजाएं अपना घर-आंगन, देखकर पड़ोसी भी करेंगे नकल

दीवाली के त्योहार पर भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है ताकि घर में शुभता और धन संपत्ति आए। ऐसे में घर में पॉजिटिविटी बढ़ाने और घर को और खूबसूरत बनाने के लिए घर के मुख्य दरवाजे के पास रंगोली (Diwali 2024 Rangoli Designs) जरूरी बनानी चाहिए। यहां हम आपके लिए कुछ खास रंगोली के डिजाइन लेकर आए हैं जिनसे आपके घर की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

दीवाली का त्योहार यानी रोशनी का त्योहार। इस दिन अपने घर को सुंदर तरीके से सजाया जाता है और भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी से प्रार्थना की जाती है कि वो हमारे घर आएं और हमें अपना आशीर्वाद दें। इसलिए धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन लोग अपने घर के दरवाजों पर सुंदर रंगोली (Diwali Rangoli Designs 2024) बनाते हैं, ताकि धन की देवी लक्ष्मी प्रसन्न हों। ऐसा माना जाता है कि रंगोली बनाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। इसलिए घर के बाहर सुंदर-सुंदर फूल और अन्य आकृतियों को रंगो से बनाकर रंगोली तैयार की जाती है। इनमें फूलों वाली रंगोली सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। तरह-तरह के रंगों और डिजाइन से बनी ये रंगोली आप आपके त्योहार की फीलिंग को और बढ़ा देती है। इसलिए यहां हम आपको दीवाली के लिए कुछ खास रंगोली के डिजाइन (Diwali 2024 Rangoli Designs) दिखाने वाले हैं, जो आपके घर को और खूबसूरत बना देंगी।

दीवाली रंगोली डिजाइन-1

दीवाली के लिए यह रंगोली डिजाइन बिल्कुल परफेक्ट है। सफेद के साथ और रंग मिलकर इस रंगोली को बेहद खास और आकर्षक बना रहे हैं। इसे बनाना भी आसान है और इससे आपका घर काफी खूबसूरत दिखेगा।

दीवाली रंगोली डिजाइन-2

खूबसूरत फूल पत्तियों के डिजाइन से बनी ये रंगोली देखने में काफी सुंदर लगेगी। इस रंगोली को आप आसानी से बना सकते हैं और इसे देखकर मेहमान भी आपके घर की खूब तारीफ करेंगे।

दीवाली रंगोली डिजाइन-3

ये रंगोली काफी यूनिक और खूबसूरत है। इस डिजाइन को बनाने के लिए आपको बीच में एक चौकोर फूल बनाना है और उसके चारों ओर पत्ती के डिजाइन बनाएं। इस डिजाइन को देखकर यकीन मानिए की सभी आपकी इस कला की तारीफ करेंगे।

दीवाली रंगोली डिजाइन-4

दीवाली पर चटक गुलाबी, पीले, हरे और नीले रंग से बनी रंगोली देखने में काफी खूबसूरत लगती है। इसके साथ जगमगते दीए, इस रंगोली को और खूबसूरत बना देते हैं। साथ ही, इस रंगोली को आप आसानी से बना भी सकते हैं।

दीवाली रंगोली डिजाइन-5

इस रंगोली डिजाइन को आप आसानी से बना सकते हैं। खासकर अगर आपके पास समय नहीं है। इस रंगोली को बनाने के लिए आपको ज्यादा रंगों की भी जरूरत नहीं पड़ेगी और यह देखने में भी काफी खूबसूरत नजर आएगी।

दीवाली रंगोली डिजाइन-6

दीवाली पर फूलों और रंगों से बनी ये रंगोली बेहद सुंदर दिखेगी। इस डिजाइन को आप बेहद आसानी से अपने घर के दरवाजे के सामने या घर के मंदिर के सामने भी बना सकते हैं। इसके साथ दीए जलाने से आपकी यह रंगोली और खूबसूरत लगेगी।

दीवाली रंगोली डिजाइन-7

फूलों से बनी ये रंगोली न सिर्फ आपके घर को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि फूलों की खूशबू से आपका घर भी काफी सुंदर दिखेगा। इस रंगोली के बीच एक थाली में हल्दी और कुमकुम से आप मां लक्ष्मी के पैरों की आकृति भी बना सकते हैं। इससे घर बेहद सुंदर नजर आएगा।

दीवाली रंगोली डिजाइन-8

यह रंगोली डिजाइन भी बेहद सिंपल, लेकिन काफी खूबसूरत है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी और इससे आपका घर भी काफी सुंदर नजर आएगा। इस रंगोली को आप घर के बीच में भी बना सकते हैं, क्योंकि ये आकार में छोटी होती है। इसलिए ये ज्यादा स्पेस नहीं लेगा।

दीवाली रंगोली डिजाइन-9

दीवाली के मौके पर आप ये रंगोली भी बड़ी आसानी से बना सकते हैं। इस रंगोली को आप फूल, पत्ते, हल्दी, कुमकुम और रंग की मदद से बना सकते हैं। इस रंगोली को बनाने में भी आपको ज्यादा समय नहीं लगेगा।

एयरोसिटी में 24 घंटे खुले रहेंगे रेस्टोरेंट-फ़ूड आउटलेट्स, प्रस्ताव को सीएम आतिशी ने दी मंजूरी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एरोसिटी में फ़ूड आउटलेट्स और रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे संचालन की अनुमति दी जाएगी। अब दिल्ली एयरपोर्ट के पास एयरोसिटी में रेस्टोरेंट-फ़ूड आउटलेट्स 24 घंटे खुले रहेंगे। प्रस्ताव को सीएम आतिशी से मंजूरी मिल गई है।

यह कदम दिल्ली के राजस्व को बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। वर्तमान में, दिल्ली, एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। ऐसे में यहाँ राजस्व बढ़ाने की बहुत सी संभावनाएं है और इस निर्णय के बाद लाइसेंस फीस के ज़रिये राजस्व में वृद्धि देखने को मिलेगी।

इस बाबत प्रस्ताव दिया गया था कि दिल्ली एयरपोर्ट के पास एरोसिटी में स्थित फ़ूड आउटलेट्स और रेस्टोरेंट को 24 घंटे खुला रखने की अनुमति दी जाए, जिससे सरकार का राजस्व बढ़ सके।

बता दे कि, गुरुग्राम में रेस्तरां को अतिरिक्त शुल्क के बदले देर तक खुला रखने की अनुमति है, जिससे वहां का राजस्व बढ़ता है। साथ ही एयरोसिटी में मौजूदा कुछ 4-स्टार और उससे ऊपर के होटल पहले से ही 24 घंटे खुले रहते हैं।

इसी तर्ज पर राजस्व बढ़ाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट स्थित एयरोसिटी में फ़ूड आउटलेट्स -रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने की तैयारी चल रही है। एरोसिटी क्षेत्र में स्थित रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने और 24x7 संचालन से न केवल पर्यटकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी, बल्कि सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। ऐसे में एरोसिटी के रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने की अनुमति दी जाए, इस प्रस्ताव की सीएम आतिशी से मंजूरी मिल गई है।

दिल्ली के सभी सब रजिस्ट्रार जॉइंट-सब रजिस्ट्रार के रूप में काम करेंगे और उनका कार्यक्षेत्र पूरी दिल्ली में होगा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में अब लोग अपनी सहूलियत के अनुसार किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। इस बाबत सीएम आतिशी ने 'एनी वेयर रजिस्ट्रेशन' पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। इसके तहत लोगों को रजिस्ट्री के लिए किसी निश्चित सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जाने की बाध्यता की ख़त्म हो जाएगी और लोग अपनी सुविधानुसार दिल्ली के 22 सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में से किसी में भी ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकेंगे।

बता दे कि, दिल्ली में प्रॉपर्टी की ख़रीद-फ़रोख़्त के लिए लोगों को सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जाना होता है। वहाँ प्रॉपर्टी की ख़रीद बीच हो या किसी अन्य तरीको से प्रॉपर्टी को रजिस्टर्ड करवाना हो तो सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जाना होता है।

अक्सर सब-रजिस्ट्रार ऑफिस को लेकर कई प्रकार की शिकायते सामने आती है। कि कई सब-रजिस्ट्रार ऑफिस ऐसे है जहां लंबी लाइनें होती है। जहां एक अपॉइंटमेंट बुक करने में लंबा समय लग जाता है। और कई सब-रजिस्ट्रार ऑफिस ऐसे है जहां ज़्यादा भीड़ नहीं होती है।

सीएम आतिशी ने कहा कि, इन समस्याओं को हल करने के लिए एक नई पॉलिसी 'एनी वेयर रजिस्ट्रेशन' पॉलिसी की शुरुआत की जा रही है। इस पॉलिसी के तहत लोगों को अगर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवानी है तो वे दिल्ली के किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जा सकते है। अब लोगों को प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए केवल किसी एक सब-रजिस्ट्रार ऑफिस तक सीमित नहीं रहना होगा।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली के सभी सब रजिस्ट्रार अब जॉइंट-सब रजिस्ट्रार के रूप में काम करेंगे और उनका कार्यक्षेत्र पूरी दिल्ली में होगा। तो अगर दिल्ली में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में अपनी प्रॉपर्टी रजिस्टर करवानी है तो वो दिल्ली के 22 सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में से किसी में भी ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकते है।

एमसीडी की 'आप' सरकार ने सफाई कर्मचारियों को दिया दिवाली गिफ्ट

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिवाली पर आम आदमी पार्टी की एमसीडी सरकार ने अपने सफाई कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। पहली बार महीना पूरा होने से पहले सभी के अकाउंट में तनख्वाह के साथ दिवाली का बोनस भी दे दिया गया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एमडीसी मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय के साथ बुधवार को संयुक्त प्रेस वार्ता कर इस खुशखबरी को साझा किया। उन्होने कहा कि एमसीडी के 64 हजार कच्चे-पक्के सफाई कर्मचारियों के खाते में नवंबर की सैलरी डाल दी गई है जो कि 7 नवंबर तक मिलनी थी। एमसीडी ने सफाई कर्मचारियों को कुल 23 करोड़ रुपये दिवाली बोनस भी दिया गया है ताकि वो खुशी-खुशी अपने परिवार के साथ दिवाली मना सकें। एमसीडी के इतिहास में पहली बार हुआ है, कि दिवाली के पहले सफाई कर्मचारियों को तनख्वाह दी गई है। भाजपा के समय सफ़ाईकर्मियों को अपनी सैलरी के लिये धरना प्रदर्शन करना पड़ता था, 6-6 महीने तनख़्वाह नहीं मिलती थी। आम आदमी पार्टी की एमसीडी सरकार में पिछले 2 साल से सफ़ाईकर्मियों को हर महीने के पहले हफ़्ते में तनख़्वाह मिल जाती है

आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने एमसीडी मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय के साथ बुधवार को पार्टी मुख्यालय के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता कर कहा कि मैं दिल्ली के लोगों को एक बहुत बड़ी खुशखबरी देना चाहता हूं। और खासकर दिल्ली का जो गरीब तबका है, जो सफाई कर्मचारी हैं, उनके लिए मेयर शैली ओबेरॉय के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की एमसीडी सरकार ने बहुत बड़ा काम किया है। पिछले 18 साल से एमसीडी के अंदर सफाई कर्मचारियों को तो क्या किसी भी कर्मचारी को समय पर तनख्वाह नहीं मिलती थी। 18 साल पहले होता था कि लोगों को महीने की तनख्वाह महीने में मिला करती थी। लेकिन उसके बाद नगर निगम में भाजपा आई और उसके कार्यकाल के दौरान 6-8 महीने लोगों को समय पर तनख्वाह नहीं मिलती थी। अपनी तनख्वाह तक लेने के लिए लोगों को धरने प्रदर्शन करने पड़ते थे। हम देखते थे कि लोगों का 70-80 फीसदी समय धरना प्रदर्शन करने में जाता था और कर्मचारी किसी बड़ी मांग के लिए नहीं बल्कि अपनी तनख्वाह लेने के लिए धरना प्रदर्शन करते थे। इतना ज्यादा भ्रष्टाचार था कि सारा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नगर निगम के अंदर पिछले 2 साल से हमारी सरकार है और दो साल से हर महीने के पहले हफ्ते में लोगों के अकाउंट में तनख्वाह आ जाती है। पिछले दो साल में एक बार भी ऐसी नहीं हुआ है जब सफाई कर्मचारियों को तनख्वाह के लिए धरना प्रदर्शन या हड़ताल करनी पड़ी हो। जबकि उसके पहले जब 15 साल भाजपा की सरकार थी, आप उठाकर देख लीजिए कि लगभग सफाई कर्मचारी, दूसरे कर्मचारी काम पर कम रहते थे और हड़ताल पर ज्यादा रहते थे। लेकिन पिछले दो साल में उन लोगों को अपनी तनख्वाह लेने के लिए हड़ताल नहीं करनी पड़ी है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह जो दिवाली के पहले तनख्वाह दी गई है, यह पहली बार हुआ है। एमसीडी के इतिहास में पहली बार हुआ है कि दिवाली के पहले सफाई कर्मचारियों को तनख्वाह दी गई है। ये पहली बार हुआ है कि 31 से पहले तनख्वाह दी गई है। 18 साल पहले, महीने की तनख्वाह महीने में मिलती थी लेकिन यह आज तक कभी नहीं हुआ कि महीना खत्म होने से पहले उनके अकाउंट में तनख्वाह पहुंच गई हो।

दिवाली रोशनी का त्योहार है इसपर दिए और मोमबत्ती जलानी चाहिए, पटाखें जलाकर प्रदूषण जलाने से सबको नुकसान होता है- केजरीवाल

दिवाली पर पटाखे बैन करने के सवाल पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह तो सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और सभी कोर्ट का कहना है कि प्रदूषण के मद्देनजर हमें पटाखे नहीं, दिये जलाने चाहिए। यह रोशनी का त्योहार है। दिये और मोमबत्ती जलाकर हमें अपना त्योहार मनाना चाहिए, ना कि पटाखे जलाकर। पटाखे जलाने से प्रदूषण होता है। ऐसा नहीं है कि पटाखे ना जलाकर हम किसी पर एहसान कर रहे हैं। हम अपने ऊपर ही एहसान कर रहे हैं। जो प्रदूषण होगा उसका खामियाजा हमें और हमारे छोटे-छोटे बच्चे ही भुगतेंगे। तो इसमें कोई हिंदू- मुसलमान की बात नहीं है। सबकी सांसे जरूरी हैं, सबकी जिंदगी जरूरी है।

आंतरिक सुरक्षा पर "आप" ने लगातार दूसरे दिन भाजपा को घेरा, सांसद संजय सिंह

सुषमा रानी

नई दिल्ली। देश में हर दिन मिल रही हवाई जहाज, स्कूल और मंदिर उड़ाने की धमकियों पर आम आदमी पार्टी ने लगातार दूसरे दिन केंद्र की भाजपा सरकार को घेरा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने दूसरे दिन भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार के कार्यकाल में देश डर और भय से विचलित है, हर दिन हवाई जहाज, स्कूल और मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इस संवेदनशील मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। संजय सिंह ने पूछा कि ये धमकियां देने वाले लोग कौन हैं? भाजपा की केंद्र सरकार को इसका स्पष्टीकरण देना चाहिए अब तक सरकार ने उनकी रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए हैं, यह भी बताए। भाजपा सरकार में देश की संसद भी सुरक्षित नहीं है, जहां सुरक्षा में बड़ी चूक हो चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सुरक्षा में चूक के कारण कोई अनहोनी घटती है, तो इसके लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार और जवाबदेह होगी।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि आज पूरा देश डर, भय और दहशत में आतंकित है। लोग डरे हुए हैं। भाजपा सरकार में सुरक्षा की यह हालत है कि एयरलाइंस को उड़ाने की

धमकी मिल रही है। एक साथ 50-50 हवाई जहाजों को उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। मंदिरों को उड़ाने की धमकी मिल रही है। स्कूलों को बम से उड़ाने और बर्बाद कर देने की धमकी मिल रही है।

संजय सिंह ने कहा कि हवाई जहाजों से सफर करने वाले यात्रियों के मन में भय बैठा हुआ है कि पता नहीं कब कौन-सा जहाज बम से उड़ा दिया जाए। हमने देखा है कि देश की पार्लियमेंट तक सुरक्षित नहीं है। नरेंद्र मोदी के ही कार्यकाल में संसद में धुसने की धमकी देते हुए, कुछ नौजवान वो संसद में घुस गए थे। ये अलग बात है कि उनके अपने मुद्दे थे और वो किसी को हानि नहीं पहुंचाना चाहते थे। लेकिन इस तरह देश की संसद के अंदर सुरक्षा की चूक होना चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि मेरा सवाल है कि केंद्र सरकार इस पूरे मसले पर खामोश क्यों हैं? आतंरिक सुरक्षा, दिल्ली से लेकर एयरपोर्ट्स तक की कानून व्यवस्था नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के अधीन आती है। मेरा सवाल है कि अगर खुलेआम हवाई जहाजों को बम से उड़ाने की धमकी मिलेगी तो हवाई जहाजों में सफर कौन करेगा? अगर गलती से यह धमकियां सच में बदल गईं तो कितना भय लोगों के मन में पैदा होगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। 26/11 में जहाज का उड़ना और उसके बाद की घटनाओं को पूरी दुनिया ने देखा है। गृह मंत्री अमित शाह से मेरा सवाल है कि इस पूरे मसले पर अभी तक उनकी सरकार ने क्या काम किया है? सुरक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए?

उन्होंने कहा कि इन धमकियों को देने वाले लोग कौन हैं? उनका दुस्साहस कैसे इतना ज्यादा बढ़ गया है कि वो एयरलाइंस को उड़ाने की और यात्रियों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे रहे हैं? स्कूलों और मंदिरों को उड़ाने की धमकी दे रहे हैं? वो कौन से आतंकी हैं? वो कौन लोग हैं जो देश के अंदर किसी बड़ी घटना को अंजाम देना चाहते हैं? इसके बारे में अमित शाह को सामने आकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। मैं फिर से आगाह कर रहा हूं कि संसद के अंदर भी सुरक्षा की भारी चूक हो चुकी है। यह बम से उड़ाने की जो धमकियां मिल रही हैं, अगर यह हवाई जहाजों, मंदिरों, स्कूलों में होती है तो उसके लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार और जवाबदेह होगी।

भारत में 2033 तक सालाना 1 ट्रिलियन साइबर हमले होने की संभावना, चौंकाने वाली रिपोर्ट आई सामने

भारत में साइबर हमलों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो 2033 तक हर साल करीब एक ट्रिलियन साइबर हमले हो सकते हैं। पिछले साल देश को 79 मिलियन से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा था। इस साल भी यह वृद्धि जारी रही और पहली तिमाही में 500 मिलियन से अधिक घटनाएं सामने आईं।

नई दिल्ली। देश में साइबर हमलों के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। समस्या को लेकर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने साइबर हमलों के मामलों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए इस समस्या से निपटने के लिए मजबूत उपायों की आवश्यकता पर बल दिया।

उनके अनुसार, अगर इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो भारत में 2033 तक हर साल करीब एक ट्रिलियन साइबर हमले हो सकते हैं और वर्ष 2047 तक देश पर 17 ट्रिलियन साइबर हमले हो सकते हैं। गैर-लाभकारी संगठन प्रहार ने एक "दि इंविजिबल हैंड" नाम से रिपोर्ट जारी की है, जिसमें एक मजबूत और बड़े पैमाने पर साइबर सुरक्षा तंत्र की तत्काल आवश्यकता का संकेत दिया गया है।

बीते साल 79 मिलियन से अधिक हुए साइबर हमले

रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में तेजी से विस्तार इसके जोखिमों को बढ़ा रहा है। एम्स और एयरलाइंस पर किए गए साइबर हमले इसके उदाहरण हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल देश को 79 मिलियन से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा, जो वर्ष 2022 की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। इस तरह की घटनाओं की संख्या के मामले में यह दुनिया भर में तीसरे स्थान पर है।

इस वर्ष भी यह वृद्धि जारी रही और पहली तिमाही में 500 मिलियन से अधिक घटनाएं सामने आईं। वैश्विक स्तर पर इस वर्ष की पहली तिमाही में साइबर हमलों में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें भारत सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 7.4 लाख हुई शिकायतें

इस वर्ष के पहले चार महीनों में, भारतीयों ने साइबर अपराधियों का शिकार बन 1,750 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान उठाया, जिसकी रिपोर्ट राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (national cyber crime reporting portal) पर 7.4 लाख शिकायतों के माध्यम से की गई। रिपोर्ट में सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप द्वारा बढ़ते खतरों का भी पता लगाया गया है, जिसमें सुनियोजित रणनीतियां काम कर रही हैं।

प्रहार के अध्यक्ष अभय मिश्रा ने बताया कि साइबर हमले दो तरह के होते हैं। पहले में पारंपरिक हैकर शामिल होते हैं जो वित्तीय लाभ या व्यवधान के लिए सिस्टम की कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। दूसरा आम नागरिकों को निशाना बनाता है, उन्हें हेरफेर, जबरदस्ती या धमकियों द्वारा राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए भर्ती करता है।

इस तरह की रणनीति का इस्तेमाल अवैध सट्टेबाजी ऐप पर किए जाने की सबसे अधिक संभावना है। यह रणनीति बांग्लादेश में अपनाए गए तरीकों से भी मिलती-जुलती है, जहां विरोधियों ने आम नागरिकों के साथ मिलकर सरकारी संस्थाओं को कमजोर कर दिया।

'आयुष्मान भारत कोई स्कीम नहीं, बल्कि स्कैम, गरीबों का इलाज...'; ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

दिल्ली में आयुष्मान योजना को लागू कराने के लिए भाजपा अब कानूनी लड़ाई लड़ने की बात कह रही है तो वहीं पर दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी केंद्र को घेरते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। AAP की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि आयुष्मान भारत कोई स्कीम नहीं बल्कि यह एक स्कैम है। आप की स्वास्थ्य योजना को देशभर में मोदी सरकार लागू करे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने बुधवार को केंद्र की आयुष्मान भारत योजना की आलोचना की, इसे ₹घोटालों₹ से ग्रस्त बताया और दावा किया कि दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य देखभाल मॉडल केंद्र की योजना से बेहतर है। उनकी टिप्पणियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब में आईं।

पीएम ने मंगलवार को अपनी टिप्पणी में जहां उन्होंने आयुष्मान भारत को लागू नहीं करने के लिए दिल्ली और पश्चिम बंगाल सरकारों की आलोचना की। स्वास्थ्य देखभाल में विकास परियोजनाओं के लिए एक लॉन्च कार्यक्रम में बोलते हुए, पीएम मोदी ने दोनों राज्यों में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों से आयुष्मान का विस्तार करने में असमर्थ होने के लिए माफी मांगी। भारत को उनका लाभ है।

पीएम ने बुजुर्गों से मांगी थी माफी

बता दें प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं दिल्ली और पश्चिम बंगाल के 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों से माफी मांगता हूं कि राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान योजना में शामिल होने से इनकार करने के कारण मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा।

प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कक्कड़ ने उन पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा, ₹प्रधानमंत्री मोदी ने फिर से झूठ बोला है।

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार अपने बजट का 16 प्रतिशत स्वास्थ्य देखभाल के लिए आवंटित करती है, जो आयुष्मान भारत की तुलना में अधिक प्रभावी योजना प्रदान करती है। कि आयुष्मान भारत योजना धोखाधड़ी से खराब हो गई है।

मृत व्यक्तियों के नाम पर निकाला गया धन-कक्कड़

कक्कड़ ने कहा-यह सच्चाई सीएजी रिपोर्ट में सामने आई है, जिसमें भाजपा सदस्यों द्वारा कथित तौर पर मृत व्यक्तियों के नाम पर धन निकालने का खुलासा किया गया है। जब हमारे पास बेहतर योजना है तो हम दिल्ली में ऐसी योजना क्यों लागू करेंगे?₹ दिल्ली के स्वास्थ्य मॉडल की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ₹दिल्ली की योजना अस्पताल में भर्ती किए बिना मुफ्त दवाएं, परीक्षण और ओपीडी सेवाएं प्रदान करती है।

इसमें आय की कोई सीमा नहीं है, लागत की परवाह किए बिना सभी परिवारों के लिए मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया जाता है। हम 450 मुफ्त परीक्षण और 359 मुफ्त दवाएं प्रदान करते हैं।" आप सरकार केंद्रीय योजना के विकल्प के रूप में अपनी स्वास्थ्य देखभाल पहल पर जोर दे रही है।

AAP मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी लगाए थे गंभीर आरोप

इससे पहले मंगलवार को आप मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी आयुष्मान भारत योजना की सीमाओं पर चिंता व्यक्त की थी। यह कहते हुए कि योजना की 5 लाख रुपये की कवरेज सीमा समाप्त होने के बाद अक्सर गरीब मरीजों को सरकारी अस्पतालों में भी काफी लागत का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली (Delhi News) के स्वास्थ्य देखभाल मॉडल को आयुष्मान भारत से बेहतर होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, ₹दिल्ली सरकार के अस्पताल असीमित मुफ्त इलाज की पेशकश करते हैं, परीक्षण से लेकर दवाओं तक, सभी चिकित्सा आवश्यकताओं को बिना किसी लागत के कवर करता है।

इसके अतिरिक्त, दुर्घटना पीड़ितों को किसी भी निजी अस्पताल में मुफ्त देखभाल मिलती है।" आप नेता ने भाजपा प्रतिनिधियों को दिल्ली के सरकारी अस्पतालों का दौरा करने की भी चुनौती दी और कहा कि भर्ती होने वाले लगभग 50 प्रतिशत मरीज उत्तर प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों से हैं।

यूपी के इन किसानों के लिए अच्छी खबर, नोएडा एयरपोर्ट से लखनऊ तक कर सकेंगे हवाई यात्रा; सीएम योगी भी होंगे साथ

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों के लिए बेहद अच्छी खबर है। कमर्शियल सेवा शुरू होने के पहले दिन दो फ्लाइट लखनऊ जाएंगी। एक में मुख्यमंत्री एवं अधिकारी होंगे तो वहीं पर दूसरी फ्लाइट में किसान जाएंगे। बता दें एयरपोर्ट से कमर्शियल सेवा शुरू करने का तारीख तय हो चुकी है। 17 अप्रैल से एयरपोर्ट पर कमर्शियल सेवा शुरू हो सकेगी।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों को हवाई जहाज की सैर का मौका मिलेगा। एयरपोर्ट से कामर्शियल सेवा शुरू होने के पहले दिन लखनऊ के लिए जाने वाली फ्लाइट में किसानों को भेजा जाएगा। एक अन्य फ्लाइट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (Yogi Adityanath) व अधिकारी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लखनऊ (Lucknow) तक जाएंगे।

17 अप्रैल से एयरपोर्ट पर शुरू होगी कमर्शियल सेवा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल सेवा शुरू करने का तारीख तय हो चुकी है। 17 अप्रैल से एयरपोर्ट पर कमर्शियल सेवा शुरू हो जाएगी। एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए छह गांव की 1334 हे. जमीन का अधिग्रहण किया गया था। करीब 11.80 हे. जमीन किसानों की अधिगृहीत की गई थी, शेष जमीन सरकारी है।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (Noida International Airport) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह से आग्रह किया है कि एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों को एयरपोर्ट से शुरू होने वाली फ्लाइट में बैठने का मौका दिया जाए।

कॉमर्शियल सेवा शुरू होने पर पहले दिन लखनऊ के लिए दो फ्लाइट

सीईओ ने विधायक को इसके लिए आश्वासन दिया है कि कमर्शियल सेवा शुरू होने पर पहले दिन लखनऊ के लिए दो फ्लाइट होंगी। एक फ्लाइट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनके साथ अधिकारी लखनऊ जाएंगे। दूसरी फ्लाइट में किसानों को लखनऊ तक भेजा जाएगा।

एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं का संचालन शुरू करने से पहले 15 नवंबर से ट्रायल शुरू होगा। यह 15 दिसंबर तक चलेगा। ट्रायल प्रक्रिया पूरी होने के बाद महानिदेशालय नागर विमानन को एयरोड्रोम लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा।

बीस मार्च तक लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। एयरपोर्ट से घरेलू सेवाओं में गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी के अलावा देश के अन्य प्रमुख शहरों के लिए सेवाएं उपलब्ध होंगी।

दीवाली पर यीडा फिर से लाएगा आवासीय भूखंड योजना

दिल्ली एनसीआर के नोएडा में जो लोग अपना खुद का घर का सपना देख रहे हैं। उनके लिए जरूरी खबर है। दीवाली पर यीडा (Yeida News) एक बार फिर से आवासीय भूखंड योजना (Aawasiya Bhukhand Yojana) ला रहा है। लेकिन साथ ही आवासीय योजना में भूखंड की कुल कीमत का किस्तों में भुगतान का विकल्प समाप्त कर दिया गया जाएगा। किसान समेत आरक्षित श्रेणी में भी केवल एक मुश्त भुगतान का विकल्प ही आवेदकों को ही मिलेगा। किस्तों में भुगतान के विकल्प में आवेदन न आने के बाद प्राधिकरण ने यह फैसला लिया है।

अधिवक्ता नाहर सिंह और बेटे सहित 50 पर केस, लाठीचार्ज के विरोध में हड़ताल पर गए वकील

गाजियाबाद की जिला जज की कोर्ट में मंगलवार को एक मामले में आरोपितों की जमानत पर बहस को लेकर जिला जज और अधिवक्ताओं में नोकझोंक हो गई। विवाद बढ़ता देख जिला जज अपने कक्ष में चले गए और वकील कोर्ट में जमे रहे। मौके पर पहुंची पुलिस ने वकीलों को समझाने का प्रयास किया। नहीं मानने पर पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए वकीलों को दौड़ा दिया।

गाजियाबाद। जिला जज की अदालत में हुए विवाद को लेकर पुलिस ने जहां अधिवक्ता नाहर सिंह और उनके बेटे सहित करीब 50 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। वहीं अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज किए जाने और अमार्दित भाषा का प्रयोग किए जाने को लेकर अधिवक्ता हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने लाठीचार्ज के दोषी पुलिसकर्मियों और जिला जज के तबादले की मांग उठाई है। लाठीचार्ज से नाराज वकीलों ने बार सभागार में बैठक कर कहा कि जिला जज ने अधिवक्ताओं के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है। पुलिस फोर्स बुलाकर अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज कराया। इसमें कई अधिवक्ता घायल हुए हैं।

पुलिस अधिकारियों के तबादले की मांग

बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि बार एसोसिएशन जिला जज का तत्काल प्रभाव से तबादला और घायल अधिवक्ताओं को दो-दो लाख रुपये की सहायता की मांग करती है। अधिवक्ताओं ने लाठीचार्ज में शामिल पुलिस अधिकारियों के तबादले की भी मांग की है।

50 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज

तबादला होने तक अधिवक्ता कचहरी में हड़ताल पर रहेंगे। इधर पूरे मामले में कविनगर थाने में दो मुकदमे दर्ज किए हैं। कोर्ट नाजिर संजीव गुप्ता की शिकायत पर कविनगर थाने में अधिवक्ता नाहर सिंह यादव, उनके पुत्र अभिषेक यादव, अधिवक्ता दिनेश यादव समेत करीब 40-50 अज्ञात लोगों पर तीन न्यायालय कक्ष की खिड़कियों के शीशे तोड़ने, सीसीटीवी कैमरे तोड़ने और डीवीआर तोड़ने समेत कचहरी पुलिस चौकी में आग लगाने का मुकदमा दर्ज किया गया है।

यूपी में इस सप्ताह 2 दिन बंद रहेंगे सरकारी दफ्तर और बैंक, लेकिन...

योगी सरकार ने 31 अक्टूबर 2024 से 1 नवंबर 2024 तक दीपावली का अवकाश होने की घोषणा की है। इस दौरान स्कूल सरकारी दफ्तर और बैंक बंद रहेंगे। वैसे देखा जाए तो अगले दो दिन वीरवार और शुक्रवार पड़ रहा है। इसके बाद वीकेंड होने के बाद दो दिन की छुट्टी है। इसलिए देखा जाए तो चार दिन की छुट्टी पड़ रही है।

ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध नगर में दीपावली का दो दिन का अवकाश रहेगा। 31 अक्टूबर व एक नवंबर को सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने प्रदेश सरकार की ओर से जारी आदेश के तहत जिले में भी अवकाश घोषित कर दिया है।

बता दें गुरुवार और शुक्रवार को सरकार ने छुट्टी की घोषणा की है। इसके बाद शनिवार और रविवार को वीकेंड होने के कारण छुट्टी रहेगी। कुल मिलाकर कर्मचारियों और अधिकारियों को 4 दिन की छुट्टी मिली है।

सरकारी विभाग के कर्मचारियों को मिलेगा चार दिन का अवकाश

बुधवार दोपहर प्रदेश सरकार ने 31 अक्टूबर व एक नवंबर तक दीपावली का अवकाश घोषित किया है। आदेश के अनुसार एक नवंबर को तो अवकाश रहेगा, लेकिन इसके बदले नौ नवंबर यानी शनिवार को सभी सरकारी कार्यालय सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। प्रदेश सरकार के इस आदेश के बाद सरकारी विभाग के कर्मचारी व अधिकारियों को लगातार चार दिन का अवकाश मिल जाएगा।

कुल कीमत का किस्तों में भुगतान का विकल्प समाप्त

नोएडा में जो लोग अपना खुद का घर का सपना देख रहे हैं। इन सभी के लिए जरूरी खबर है। दीवाली पर यीडा एक बार फिर से आवासीय भूखंड योजना (Awasiya Bhukhand Yojana) ला रहा है। लेकिन साथ ही आवासीय योजना में भूखंड की कुल कीमत का किस्तों में भुगतान का विकल्प समाप्त कर दिया गया जाएगा।

किसान समेत आरक्षित श्रेणी में भी केवल एक मुश्त भुगतान का विकल्प ही आवेदकों को ही मिलेगा। किस्तों में भुगतान के विकल्प में आवेदन न आने के बाद प्राधिकरण ने यह फैसला लिया है।

17 अप्रैल से एयरपोर्ट पर शुरू होगी कॉमर्शियल सेवा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल सेवा शुरू करने का तारीख तय हो गई है। 17 अप्रैल से एयरपोर्ट पर कमर्शियल सेवा शुरू कर दी जाएगी। बता दें एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए छह गांव की 1334 हे. जमीन का अधिग्रहण किया गया था। करीब 11.80 हे. जमीन किसानों की अधिगृहीत की गई थी, शेष जमीन सरकारी है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों को हवाई जहाज की सैर कराई जाएगी। एयरपोर्ट से कमर्शियल सेवा शुरू होने के पहले दिन लखनऊ के लिए जाने वाली फ्लाइट में किसानों को भेजा जाएगा। जबकि दूसरी फ्लाइट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अधिकारी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लखनऊ तक जाएंगे।

छठ पूजा तक बकायेदारों को विद्युत निगम ने दी राहत, नहीं कटेंगे कनेक्शन

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में दीवाली के त्योहार पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत निगम ने कमर कस ली है। इसे लेकर अधिकारी बिजलीघरों का निरीक्षण कर रहे हैं और जर्जर तारों को बदवा रहे हैं। छठ पूजा तक बकायेदारों के कनेक्शन नहीं काटे जाएंगे। कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है और पाँच अतिरिक्त ट्रांसफार्मर ट्रालियां तैयार रखी गई हैं।

गाजियाबाद। विद्युत निगम ने शासन के निर्देश पर दीपावली को जगमग करने की तैयारी की है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो इसके लिए अधिकारी दिन-रात बिजलीघरों का निरीक्षण कर रहे हैं। त्योहार पर किसी को विद्युत आपूर्ति से वंचित नहीं रखा जाएगा। इसके लिए छठ पूजा तक बकायेदारों के कनेक्शन काटने पर रोक लगा दी गई है।

मुख्य अभियंता ने प्रताप विहार बिजलीघर का किया निरीक्षण

दीवाली पर निर्बाध आपूर्ति के लिए विद्युत निगम पूरी तैयारी के साथ जुटा है। मुख्य अभियंता विद्युत वितरण अशोक सुंदरम के नेतृत्व में अलग-अलग जोन के बिजलीघरों का निरीक्षण कर रहे हैं। मुख्य अभियंता ने मंगलवार रात प्रताप विहार स्थित बिजलीघर का निरीक्षण किया और जिम्मेदारों को व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

जर्जर विद्युत तारों को बदला गया

उन्होंने बताया कि सभी बिजलीघरों की ओवरलोडिंग क्षमता को परख लिया गया है। कहीं किसी तरह की कोई समस्या आने की संभावना नहीं है। जर्जर विद्युत तारों को दीवाली से पूर्व बदला गया है। ताकि किसी तरह कोई फाल्ट न हो।

अधीक्षण अभियंताओं को अपने क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। कहीं कोई फाल्ट होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उसे ठीक करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल त्योहार के समय बकायेदारों के कनेक्शन काटने और कार्यवाही पर छठ पूजा तक रोक लगा दी गई है। ताकि सभी त्योहार को अपने परिवार के साथ अच्छे से मना सकें।

बिजली कटौती से ये होती हैं परेशानी

घरों के जरूरी उपकरण नहीं चल पाते।
बिजली कटने से लिफ्ट फंसने का खतरा।
उद्योगों के उत्पादों की लागत बढ़ जाती है।
सोसायटी के लोगों को तीन से चार गुना बिल देना पड़ रहा है।
लोगों को कई बार नहीं मिल पाता पानी।
अंधेरा होने से आपराधिक घटना होने का खतरा।

कंट्रोल रूम स्थापित

विद्युत निगम की ओर से कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कहीं भी विद्युत व्यवस्था में गड़बड़ी होने पर कंट्रोल रूम के नंबर 9193320115 पर काल करके शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। कंट्रोल रूम में 24 घंटे विद्युतकर्मियों की तैनाती की गई है।

पांच अतिरिक्त ट्रांसफार्मर ट्रालियां तैयार

विद्युत निगम वितरण जोन प्रथम में चार जोन हैं, जिनके लिए ट्रांसफार्मर की पांच ट्रालियां तैयार हैं। कहीं ट्रांसफार्मर में कोई फाल्ट आने या फुंकने पर तुरंत इन ट्राली ट्रांसफार्मर के माध्यम से सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा छोटे ट्रांसफार्मर में गड़बडी होने पर तुरंत बदलने की व्यवस्था है।

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

ललित गर्ग

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषतः नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया।

सरकार्यवाह होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिये हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं साम्प्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की।

सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, 'लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है।' उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया।

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए।

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है।

आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। 'स्व' का मतलब है 'स्वाधीनता', राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी 'स्व' को नहीं भूलना है। इस 'स्व' को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर

मारुति ईवीएक्स के बाद टोयोटा भी लाएगी इलेक्ट्रिक एसयूवी, अगले साल होगी लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन और टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन ने भारत में अपने क्रॉस-बैजिंग गठबंधन का विस्तार अब इलेक्ट्रिक कारों तक कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार जिसे बनाने का काम साल 2025 से शुरू होगा। इस इलेक्ट्रिक कार को कंपनी ग्लोबल लेवल पर टोयोटा को आपूर्ति करेगी। इसका निर्माण सुजुकी मोटर गुजरात में किया जाएगा।

नई दिल्ली। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन और टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन दोनों मिलकर एक इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल बनाने जा रही है। इस इलेक्ट्रिक कार को बनाने का काम साल 2025 के फरवरी से भारत में सुजुकी मोटर गुजरात में शुरू किया जाएगा। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार, जिसका उत्पादन अगले साल की शुरुआत में शुरू होगा, टोयोटा को ग्लोबल लेवल पर आपूर्ति करेगी। आइए जानते हैं कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल कैसी होने वाली है और सुजुकी और टोयोटा ने इसे बनाने के लिए हाथ क्यों मिलाया है। सुजुकी और टोयोटा दोनों का ही लक्ष्य लोगों को मजेदार ड्राइविंग प्रदान करना है। जिसको लेकर दोनों कंपनियां अपने स्तर पर काम कर रही है। इसमें गाड़ियों के प्रोडक्शन और पारस्परिक आपूर्ति, और इलेक्ट्रिफाइड गाड़ियों को बढ़ाना शामिल है। इसी का असर है कि अब इनके गाड़ियों का मार्केट जापान, भारत, यूरोप, अफ्रीका और मध्य पूर्व तक पूरी तरह से फैल गया है। दोनों कंपनियों के बीच पहला पहला BEV

दोनों कंपनियों के बीच OEM संबंधों में पहला BEV है। यह दोनों कंपनियां मिलकर भारत में इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल तैयार करने जा रही है उसे पूरी दुनिया में लॉन्च किया जाएगा। यह इलेक्ट्रिक व्हीकल SUV बाजार में भी BEV ऑप्शन प्रदान करेगा। इस कोलैबरेशन के साथ सुजुकी और टोयोटा कार्बन-नेचुरल सोसाइटी को साकार करने की दिशा में अपने संबंधित पहले को और भी बढ़ावा देगा। सुजुकी वैश्विक स्तर पर टोयोटा को अपना पहला BEV सप्लाई करेगी। मैं आभारी हूं कि इस तरह से दोनों कंपनियों के बीच सहयोग और भी गहरा हुआ है। प्रतिस्पर्धी बने रहने के साथ-साथ, हम सामाजिक मुद्दों को सुलझाने की दिशा में अपने सहयोग को और गहरा करेंगे, जिसमें मल्टी-पाथवे दृष्टिकोण के माध्यम से कार्बन-तटस्थ समाज की प्राप्ति भी शामिल है। हमारे द्वारा संयुक्त रूप से विकसित BEV इकाई और प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाकर, हम विद्युतीकृत वाहनों के क्षेत्र में अपने सहयोग में एक नया कदम उठाएंगे। इससे हम दुनिया भर के ग्राहकों को कार्बन-तटस्थ समाज में योगदान देने वाले विभिन्न विकल्प प्रदान कर सकेंगे। हम एक-दूसरे की ताकत से सीखना, प्रतिस्पर्धा करना और मल्टी-पाथवे दृष्टिकोण के आधार पर संयुक्त प्रयासों को आगे बढ़ाना चाहेंगे।

कैसा होगा इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल

इसे विशेष रूप से BEV के रूप में डिजाइन किया जाएगा। BEV की तेज ड्राइविंग फीचर्स के साथ आने वाली SUV होगी। इसमें पर्याप्त क्रूजिंग रेंज और काफी आरामदायक केबिन देखने के लिए मिलेगा। यह गाड़ी 4WD सिस्टम के साथ आएगी, जो उबड़-खाबड़ सड़कों पर आराम से चल सके और पैसेंजर को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े।

टोयोटा किर्लोस्कर ने रायचूर में 400 से अधिक स्कूलों में स्वच्छता कार्यक्रम का किया विस्तार

परिवहन विशेष न्यूज

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 के लिए कर्नाटक के रायचूर जिले के 400 अतिरिक्त सरकारी स्कूलों में अपने 'व्यवहार परिवर्तन प्रदर्शन' (ABCD) कार्यक्रम के विस्तार की घोषणा की है। पिछले दो वर्षों में 100 स्कूलों में कार्यक्रम की सफलता के आधार पर, जिसने 26,000 से अधिक छात्रों को प्रभावित किया है, विस्तारित पहल का लक्ष्य अगले चरण में 68,000 से अधिक छात्रों तक पहुँचना है।

इस विस्तार का उद्घाटन रायचूर के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में स्कूल के प्रधानाध्यापकों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास सत्र के साथ किया गया। रायचूर के उपायुक्त श्री नीतीश के., आईएएस ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का नेतृत्व किया और छात्रों को स्वच्छता और सफाई पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए प्रधानाध्यापकों को प्रभावी रणनीतियों से लैस करने के कार्यक्रम के मिशन पर जोर दिया।

विस्तारित कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, टीकेएम हाथ धोने, स्वच्छता, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और व्यक्तिगत स्वच्छता प्रथाओं पर केंद्रित प्रशिक्षण सत्र आयोजित करेगा। यह पहल मार्च 2026 तक 24,000 किशोरियों को सैनिटरी पैड भी प्रदान करेगी, जिससे उनके स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, TKM भाग लेने वाले स्कूलों में स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में मदद करने के लिए बाल्टी, मग, सफाई एजेंट, हाथ धोने का साबुन और पोछा लगाने के उपकरण सहित आवश्यक स्वच्छता वस्तुओं की आपूर्ति करेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने समुदायों में स्वच्छता सुधारों की वकालत करने और जहाँ आवश्यक हो, वहाँ परिवारों को घरेलू शौचालय बनाने में शामिल करने के लिए सशक्त बनाना है। जागरूकता अभियानों, वीडियो प्रदर्शनों और वार्षिक प्रश्नोत्तरी तथा चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी को मजबूत किया जाएगा, जिसका उद्देश्य स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठों को सुदृढ़ बनाना है।

डिप्टी कमिश्नर नीतीश के., आईएएस ने कहा, ₹आज शिक्षा का मतलब सिर्फ़ अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करना नहीं है, बल्कि ज़िम्मेदार, जागरूक नागरिकों को तैयार करना है जो स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व को समझते हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का एबीसीडी कार्यक्रम इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे निजी उद्यम समुदाय की भलाई में सार्थक योगदान दे सकते हैं। युवा दिमागों को ज़रूरी स्वच्छता और स्वच्छता की आदतें सिखाकर, यह कार्यक्रम ज़्यादा स्वस्थ और ज़्यादा लचीले समुदायों के लिए एक आधार तैयार करता है।₹

टीकेएम में कॉरपोरेट मामलों और प्रशासन के कंट्री हेड और कार्यकारी उपाध्यक्ष विक्रम गुलाटी ने कहा कि कार्यक्रम के पहले चरण की सफलता ने हमें अपने प्रयासों को बढ़ाने और रायचूर में अतिरिक्त 400 स्कूलों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा, ₹इस विस्तारित पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य न केवल स्कूलों में स्वच्छता में सुधार करना है, बल्कि समुदाय में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव की संस्कृति को बढ़ावा देना भी है।₹

2015 में शुरू किए गए ABCD कार्यक्रम ने स्वच्छता जागरूकता को बेहतर बनाने में मदद की है, खासकर कर्नाटक के रामनगर जिले में। 2019 तक, यह 1,000 से अधिक स्कूलों तक पहुँच गया था, जिससे 58,000 छात्र और 430,000 समुदाय के सदस्य लाभान्वित हुए। अगस्त 2023 में पुनर्जीवित, यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वच्छ भारत अभियान मिशन के साथ संरेखित है, जो भारत के स्वच्छता और स्वच्छता सुधार प्रयासों में योगदान देता है।

शिक्षा विभाग, स्थानीय प्राधिकारियों और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ साझेदारी के माध्यम से, टीकेएम का लक्ष्य रायचूर जिले में स्थायी परिवर्तन लाना तथा स्वच्छता एवं सफाई में दीर्घकालिक सुधार को बढ़ावा देना है।

रोहतक रोडवेज में पहुंची इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग प्वाइंट मशीन

परिवहन विशेष न्यूज

रोहतक रोडवेज डिपो में इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग प्वाइंट मशीन पहुंच चुकी है। इसके माध्यम से पांच इलेक्ट्रिक बसों को चार्ज किया जाएगा। इसके लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। मुख्यालय से भी सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही बस डिपो में पहुंचेगी।

चार्जिंग प्वाइंट स्टेशन के लिए सभी लाइन अंडरग्राउंड बिछा दी गई है। फुल चार्ज होने के लिए बस को चार से पांच घंटे का समय लगेगा। चार्ज होने के बाद 200 किलोमीटर का सफर तय किया जा सकेगा। बसों के ऑपरेशनल स्टॉफ के लिए दो रूम बस स्टैंड पर तो दो रूम वर्कशॉप के अंदर निर्धारित किए गए हैं। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि एक बस ग्रामीण रूट पर भी चलाई जा सकती है लेकिन रूट निर्धारित नहीं किया गया है।

चार्जिंग प्वाइंट स्टेशन के लिए बस स्टैंड स्थित पुलिस चौकी के पास 163 पेड़ों को भी काटा जा चुका है। फिलहाल तकनीकी समस्या के चलते यह प्रक्रिया रुकी है। अन्य प्रक्रिया बस स्टैंड के लिए जारी है। दो इलेक्ट्रिक बसों के रूट तय कर दिए गए हैं।

पहली बस का रूट न्यू बस स्टैंड से वाया शीला बाईपास, जाट भवन, दिल्ली बाईपास, एमडीयू, नेकीराम कॉलेज, मेडिकल मोड़ होते हुए पीजीआईएमएस रहेगा। दूसरी बस का रूट सुखपुरा चौक से वाया टीबी अस्पताल, गोहाना अड्डा, सिविल अस्पताल, आकाशवाणी, महिला कॉलेज, सोनीपत स्टैंड, अशोका चौक, डी-पार्क, मेडिकल मोड़ से पीजीआई का रहेगा। इसके अलावा तीन बसों के रूट ट्रायल के बाद तय किए जाएंगे। रूट पर यात्रियों की संख्या व बसों की मांग के हिसाब से तीन बसों का संचालन निर्भर करेगा। इन बसों का किराया 10 रुपये होगा। ऐसे में ऑटो से सस्ती परिवहन सुविधा लोगों को मुहैया होगी।

बस स्टैंड पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन लगा दिया गया है। जल्द ही बस स्टैंड पर इलेक्ट्रिक बसें पहुंच जाएंगी। - सुरेंद्र, वर्कशॉप मैनेजर, रोडवेज डिपो।

टेस्टिंग के दौरान फिर दिखी हुंडई क्रेटा ईवी EV, मिली फ्रंट लुक के साथ कई फीचर्स की जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन Cars And SUVs को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से Creta EV को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। लॉन्च से पहले कंपनी इसकी टेस्टिंग कर रही है। हाल में फिर से टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। इस दौरान क्या जानकारी सामने आई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से भारत में कई बेहतरीन कारों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से Mid Size SUV के तौर पर Creta को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी इसके इलेक्ट्रिक वर्जन को जल्द लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। लॉन्च से पहले इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। एसयूवी के किन फीचर्स की जानकारी इस दौरान मिली है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

टेस्टिंग के दौरान हुई स्पॉट

लॉन्च से पहले Hyundai Creta EV की टेस्टिंग की जा रही है। भारत में अलग अलग परिस्थितियों में इसे चलाकर देखा जा रहा है और जरुरत के मुताबिक उसे अपडेट भी किया जाएगा। टेस्टिंग के दौरान ही इसे कई बार देखा जा चुका है। एसयूवी को एक बार फिर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। जिसमें इसके फ्रंट लुक की जानकारी मिल रही है।

क्या मिली जानकारी

रिपोर्ट्स के मुताबिक एसयूवी के इलेक्ट्रिक वर्जन को आईसीई वर्जन के मुकाबले अलग फ्रंट दिया जाएगा। इसमें फ्रंट ग्रिल की जगह ब्लैंक्ड ऑफ ग्रिल का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही फ्रंट में थोड़े और बदलाव किए जा सकते हैं। इसके फ्रंट में ही चार्जिंग पोर्ट की जगह दी जाएगी और इसके अलॉय व्हील्स का डिजाइन में अलग होगा। रियर प्रोफाइल में भी मामूली बदलाव किए जा सकते हैं।

मिल सकते हैं ये फीचर्स

रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, सेंट्रल कंसोल में बटन पैनल, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटिड फ्रंट सीट, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, की-लैस एंट्री, रियर एसी वेंट्स, वायरलैस फोन चार्जर जैसे फीचर्स को दिया जाएगा। इसके अलावा इसमें आईसीई वर्जन की तरह ही इंटीरियर को दिया जा सकता है। सेफ्टी के लिए एसयूवी में ADAS, ABS, EBD, Hill Hold Assist, ESP और छह एयरबैग जैसे फीचर्स को दिया जा सकता है।

कितनी होगी रेंज

कंपनी की ओर से इसमें बैटरी के दो विकल्प दिए जा सकते हैं। जिनमें 50kWh और 60 kWh की क्षमता की बैटरी को दिया जा सकता है। जिससे एसयूवी को सिंगल चार्ज के बाद करीब 500 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है।

कब होगी लॉन्च

कंपनी की ओर से आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे जनवरी 2025 में होने वाले Bharat Mobility में पेश किया जाएगा और अगले साल की पहली तिमाही में डिलीवरी शुरू कर दी जाएंगी।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर में 100 से अधिक ईवी डिलीवरी के साथ मनाया त्योहारी सीजन

परिवहन विशेष न्यूज

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एक ही दिन में 100 से ज़्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की घोषणा की है। कंपनी एमजी विंडसर, एमजी जेडएस ईवी और एमजी कॉमेट की यूनिट्स की डिलीवरी करके इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देती है। यह डिलीवरी एमजी के इलेक्ट्रिक वाहन ऑफ़रिंग में कार खरीदारों के बीच बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाती है।

एमजी विंडसर ने हाल ही में अपनी घोषणा के 24 घंटे के भीतर 15,176 बुकिंग की उपलब्धि हासिल की। इसमें सेडान के आराम के साथ एसयूवी की विशालता का संयोजन है और इसमें एयरोडायनामिक डिज़ाइन, विशाल इंटीरियर, सुरक्षा सुविधाएँ, स्मार्ट कनेक्टिविटी और 332 किमी की रेंज है।

एमजी कॉमेट, जिसे बिग इनसाइड और कॉम्पैक्ट आउटसाइड (बीआईसीओ) के रूप में वर्णित किया गया है, में 55 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स और आई-स्मार्ट तकनीक शामिल है। इसका व्यावहारिक डिज़ाइन, एक छोटे से टर्निंग रेडियस के साथ, तंग जगहों में गतिशीलता को बढ़ाता है, जिससे यह शहर में ड्राइविंग के लिए उपयुक्त है। एमजी जेडएस ईवी प्रीमियम फीचर्स, विशाल इंटीरियर, आई-स्मार्ट तकनीक और 75 से अधिक कनेक्टेड कार फीचर्स से लैस है, जो लंबी दूरी की पारिवारिक ड्राइव के लिए 461 किमी की रेंज प्रदान करता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बैटरी-एज़-ए-सर्विस (BaaS) नामक एक अनूठी ईवी स्वामित्व योजना शुरू की है। यह कार्यक्रम ग्राहकों को बैटरी की अग्रिम लागत से बचने की अनुमति देता है, जिससे उन्हें केवल उपयोग के लिए भुगतान करना पड़ता है। सब्सक्रिप्शन मॉडल प्रति किलोमीटर खर्च को काफी कम करता है, प्रारंभिक अधिग्रहण लागत को कम करता है और एमजी केईवी पोर्टफोलियो में किफायती स्वामित्व का अनुभव प्रदान करता है।

बैटरी-एज़-ए-सर्विस प्रोग्राम के तहत, एमजी विंडसर 9.99 लाख रुपये में उपलब्ध है, साथ ही बैटरी का किराया 3.5 रुपये प्रति किलोमीटर है। एमजी कॉमेट ईवी की कीमत 4.99 लाख रुपये से शुरू होती है, जिसमें बैटरी का किराया 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर है, जबकि एमजी जेडएस ईवी की कीमत 13.99 लाख रुपये है, जिसमें बैटरी का किराया 4.5 रुपये प्रति किलोमीटर है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने कई पहल भी शुरू की हैं, जिसमें eHUB by MG ऐप भी शामिल है। 22,000 से ज़्यादा डाउनलोड वाला यह ऐप 28 से ज़्यादा प्रमुख चार्ज-पॉइंट ऑपरेटरों के साथ एकीकृत है, जो देश के लगभग 80 प्रतिशत चार्जिंग नेटवर्क को कवर करता है। यह ईवी मालिकों को चार्जर ढूँढने, स्पॉट आरक्षित करने, चार्जिंग शुरू करने और एक ही प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए भुगतान करने में सक्षम बनाता है। उपयोगकर्ताओं ने 40,000 से ज़्यादा ट्रिप की योजना बनाई है और सामूहिक रूप से लगभग 25 मिलियन किलोमीटर की दूरी तय की है, जो भारत में ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने में ऐप के योगदान को दर्शाता है।

लखनऊ के सरोजनीनगर में स्थापित हुए सात ईवी चार्जिंग स्टेशन

परिवहन विशेष न्यूज

विधायक डॉ राजेश्वर सिंह के ग्रीन एंडएं क्लीन सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र बनाने के प्रयासों को एक और सफलता मिली है। विधायक द्वारा परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र में ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना किए जाने के आग्रह के बाद सरोजनीनगर क्षेत्र में सात चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की गई है। डॉ राजेश्वर सिंह ने मंगलवार, 29 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह जानकारी दी।

उन्होंने लिखा कि सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अमौसी एयरपोर्ट, जीडी टायर एंड इंडस्ट्रीज, हिंदनगर, पीटीसी इंडस्ट्रीज, कटी बगिया, ड्रीम वर्ल्ड रिजॉर्ट, जुनाबगंज, एसकेडी हॉस्पिटल के निकट बारिगवां, सुशांत गोल्फ सिटी व जोनल पार्क, आशियाना में इन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की गयी है। इसके लिए विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह का आभार जताया है।

राज्य सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2022 के तहत लखनऊ में कुल 17 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये गए हैं। जिनमें से सात सरोजनी नगर में हैं।

सुपर कंप्यूटर से से क्वांटम कंप्यूटर तक

विजय गर्ग

'परमरुद्र' सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम की 'प्रोसेसिंग स्पीड' एक पेटाफ्लाप प्रति सेकंड है। यानी यह एक सेकंड में दस लाख करोड़ 'फ्लोटिंग प्वाइंट आपरेशंस' को अंजाम दे सकता है। किसी एक मशीन के लिए यह बेहद तेज 'कंप्यूटिंग स्पीड' है। एचपीसी (हाई परफारमेंस कंप्यूटिंग) सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम उन्नत कंप्यूटिंग प्रणाली हैं, जिन्हें जटिल और डेटा गहन कार्यों को संभालने लिए डिजाइन किया गया है। इसके लिए महत्त्वपूर्ण 'कम्प्यूटेशनल ' शक्ति की आवश्यकता होती है।

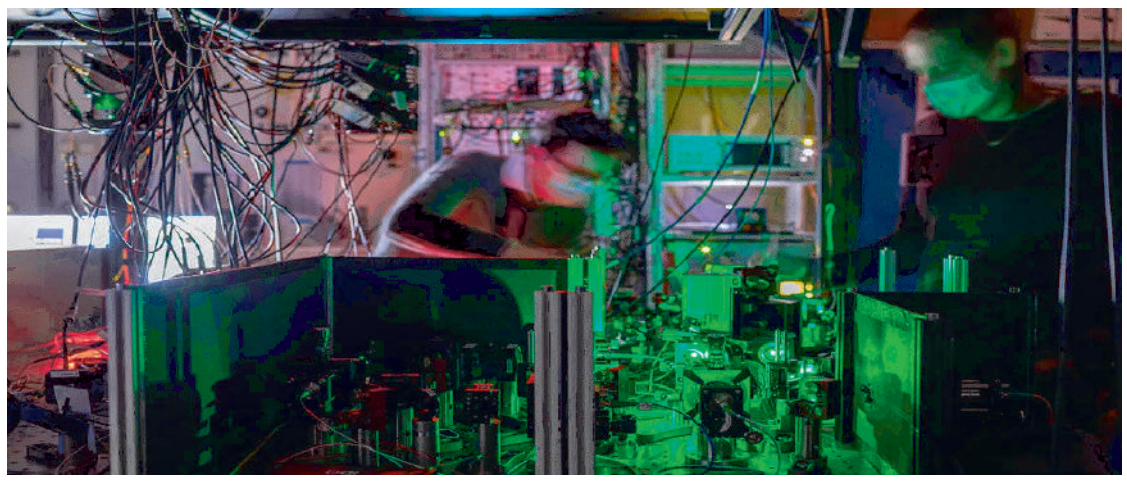

एक समय था, जब अमेरिका ने भारत को सुपर कंप्यूटर की तकनीक देने से इनकार कर दिया था, मगर देश ने स्वदेशी तकनीक से न केवल सुपर कंप्यूटर 'परम' बनाया, बल्कि अब क्वांटम कंप्यूटर बनाने की दहलीज पर है। यह मौजूदा कंप्यूटर से कई हजार गुना शक्तिशाली होगा। अमेरिका ने कुछ शर्तों पर पिछली पीढ़ी की तकनीक देने पर सहमति दी, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इसे चुनौती के तौर पर लिया। उस समय अमेरिकी सुपर कंप्यूटर की कीमत 37 करोड़ रुपए थी। उतनी कीमत में भारत ने स्वदेशी तकनीक से सौ वैज्ञानिकों की टीम के साथ एक नया केंद्र और सुपर कंप्यूटर 'परम', दोनों तैयार कर लिए थे। भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक से 'परमरुद्र' ' सहित तीन सुपर कंप्यूटर बनाए हैं। इनसे ब्रह्मांड की उत्पत्ति, ब्लैकहोल, खगोल विज्ञान और मौसम के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण । जानकारियां मिलेंगी। यह भारत की तकनीकी प्रगति में मील का पत्थर है। इससे कई नई तकनीकों का विकास होगा और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने हाल में इन सुपर कंप्यूटरों को देश को समर्पित किया। 'परमरुद्र' के अलावा अन्य कंप्यूटरों के नाम 'अरका' और 'अरुणिका' रखे गए हैं। विश्व स्तर पर के पास सर्वाधिक सुपर कंप्यूटर हैं, उसके बाद अमेरिका, जापान, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, आयरलैंड और ब्रिटेन का स्थान है। सुपर भारत सरकार ने मार्च 2015 में सात वर्षों की अवधि (2015-2022) के लिए 4,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 'राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन' की घोषणा की थी। इस मिशन के अंतर्गत सत्तर से अधिक उच्च प्रदर्शन वाले सुपर कंप्यूटरों के माध्यम से विशाल 'सुपर कंप्यूटिंग ग्रिड' स्थापित कर देश भर के राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों और संस्थाओं को सशक्त बनाने की परिकल्पना की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य एक मजबूत भारतीय नेटवर्क स्थापित करना है, जो सुरक्षित और विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम होगा।

'परमरुद्र' सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम की 'प्रोसेसिंग स्पीड' एक पेटाफ्लाप प्रति सेकंड है। यानी यह एक सेकंड में दस लाख करोड़ 'फ्लोटिंग प्वाइंट आपरेशंस' को अंजाम दे सकता है। किसी एक मशीन के लिए यह बेहद तेज 'कंप्यूटिंग स्पीड' है। एचपीसी (हाई परफारमेंस कंप्यूटिंग) सुपर कंप्यूटिंग सिस्टम उन्नत कंप्यूटिंग प्रणाली हैं, जिन्हें जटिल और डेटा गहन कार्यों को संभालने लिए डिजाइन किया गया है। इसके लिए महत्त्वपूर्ण 'कम्प्यूटेशनल ' शक्ति की आवश्यकता होती है। एचपीसी सिस्टम बड़े पैमाने की समस्याओं को हल करने के लिए समांतर रूप से काम करने वाले कई प्रोसेसर की क्षमताओं का लाभ उठाते हैं। इन प्रणालियों का उपयोग आमतौर पर जलवायु माडलिंग, आणविक जीवविज्ञान और जीनोमिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और मशीन लर्निंग, इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान सिमुलेशन, रक्षा और एअरोस्पेस अनुप्रयोगों में किया जाता है।

₹परमरुद्र' को जटिल गणनाओं और 'सिमुलेशन' को उल्लेखनीय गति से संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। ये सुपर कंप्यूटर भारत के राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन का परिणाम हैं, जो घरेलू स्तर पर उन्नत तकनीकों को विकसित करने में देश की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं। पुणे में, विशाल मीटर रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी) परमरुद्र का उपयोग 'फास्ट रेडियो बर्स्ट' (एफआरबी) और अन्य खगोलीय घटनाओं का अध्ययन करने के लिए करेगा, जिससे ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ बढ़ेगी। कई हजार इंटेल सीपीयू, नब्बे अत्याधुनिक एनवीडिया, सौ जीपीयू, 35 टेराबाइट मेमोरी और दो पेटाबाइट स्टोरेज से सुसज्जित, परम ब्रह्मांड प्रणाली खगोल विज्ञान में वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे इस क्षेत्र में परिवर्तनकारी प्रगति संभव होगी।

दिल्ली स्थित अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आइयूएसी) में सुपर कंप्यूटर पदार्थ विज्ञान और परमाणु भौतिकी में अनुसंधान तथा इन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देगा। ये सुपरकंप्यूटर युवा वैज्ञानिकों के लिए अत्याधुनिक तकनीक सुलभ बनाएंगे। कोलकाता स्थित एसएन बोस राष्ट्रीय आधारभूत विज्ञान केंद्र, भौतिकी, ब्रह्मांड विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान में उन्नत अध्ययन के लिए परमरुद्र का लाभ उठाएगा। 'अरका' और 'अरुणिका', जो सूर्य पर आधारित हैं, इनकी 'कंबाइंड प्रोसेसिंग पावर' 21.3 पेटाफ्लाप है। ये दोनों नोएडा स्थित नेशनल सेंटर फार मीडियम रेंज वेदर फोरकास्ट और पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रोपिकल मीटरोलाजी में पहले से मौजूद प्रणालियों- 'प्रत्यूष' और 'मिहिर' की जगह लेंगे। 'अरका' और 'अरुणिका' की मदद से हाई-रिजोल्यूशन वाले माडल तैयार किए जाएंगे, जो उष्णकटिबंधीय चक्रवातों, भारी वर्षा, आंधी, ओलावृष्टि, गर्म लहरों, सूखे और अन्य मौसम संबंधी घटनाओं से संबंधित भविष्यवाणियों की सटीकता और 'लीड टाइम' को महत्त्वपूर्ण स रूप से बढ़ाएंगे। मदद से भारत मौसम विज्ञान के में बड़ा खिलाड़ी बन सकता है। 'परमरुद्र सुपर कंप्यूटर', 'अरका' और 'अरुणिका' की मदद भारत ने सुपर कंप्यूटिंग तकनीक में बड़ी छलांग लगाई है। इनकी मदद से भारत खगोल विज्ञान लेकर मौसम की भविष्यवाणी तक के क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। इससे वैश्विक अनुसंधान में भारत स्थिति और मजबूत होगी। इसके अलावा, इन प्रणालियों के व्यावहारिक अनुप्रयोग वैज्ञानिक अनुसंधान से हैं। इनमें कृषि, आपदा प्रबंधन और अंतरिक्ष अन्वेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों को लाभ पहुंचाने की क्षमता है। मसलन, बेहतर मौसम पूर्वानुमान किसानों को फसल प्रबंधन के बारे में जानकारी देने में मदद कर सकता है। । इन सुपर कंप्यूटरों को स्वदेशी रूप से विकसित करके, भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठा रहा है। क्वांटम कंप्यूटर ऐसी मशीनें हैं, जो डेटा संग्रहीत करने और गणना करने के लिए क्वांटम भौतिकी के गुणों का उपयोग करती हैं। यह कुछ कार्यों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है, जहां वे हमारे सबसे अच्छे सुपर कंप्यूटर से भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। क्लासिकल कंप्यूटर, जिसमें स्मार्टफोन और लैपटाप शामिल हैं, बाइनरी 'बिट्स' में जानकारी को 'एनकोड' करते हैं जो 0 या 1 हो सकते हैं। । क्वांटम कंप्यूटर में 'मेमोरी'' ' की मूल इकाई 'क्वांटम बिट' या 'क्यूबिट' होती है। 'क्यूबिट्स' को भौतिक प्रणालियों का उपयोग करके बनाया जाता है, जैसे कि इलेक्ट्रान का स्पिन या फोटान का अभिविन्यास ।

ये प्रणालियां एक साथ कई अलग-अलग व्यवस्थाओं में हो सकती हैं। इसे 'क्वांटम सुपरपोजिशन' के रूप में जाना जाता है। क्वांटम उलझाव नामक एक घटना का उपयोग करके क्यूबिट्स को एक साथ अटूट रूप से जोड़ा जा सकता 1 सकता है। । इसका परिणाम यह होता है कि क्यूबिट्स की एक श्रृंखला एक साथ विभिन्न चीजों का प्रतिनिधित्व कर सकती है। 0 से 255 के बीच किसी भी संख्या को दर्शाने के लिए एक क्लासिकल कंप्यूटर के लिए आठ बिट्स पर्याप्त हैं। मगर एक क्वांटम कंप्यूटर के लिए 0 से 255 के बीच हर संख्या को एक साथ दर्शाने के लिए आठ क्यूबिट्स पर्याप्त हैं। ब्रह्मांड में जितने परमाणु हैं, उससे ज्यादा संख्या को दर्शाने के लिए कुछ सौ उलझे हुए क्यूबिट्स पर्याप्त होंगे। यहीं पर क्वांटम कंप्यूटर क्लासिकल कंप्यूटरों पर बढ़त हासिल करते हैं। ऐसी स्थितियों में जहां संभावित संयोजनों की संख्या बहुत ज्यादा हो, क्वांटम कंप्यूटर उन पर एक साथ विचार कर सकते हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

संपादकीय

औकात

सुबह से ही घर में चहल-पहल थी और इस चहल-पहल को देख कर के सुमेधा जी बहुत खुश थी। उनके बड़े बेटे बहु दिल्ली से दिवाली का त्यौहार मनाने के लिए आए थे। हर बार ठीक दिवाली के दिन आना होता है, पर इस बार वरूण भैया को पांच दिन की छुट्टी मिल गई है इसलिए पूरे त्यौहार को यहीं पर मनाने का इरादा था।

सुमेधा जी और हरिओम जी के दो बेटे और एक बेटी है। बड़ा बेटा वरुण अपनी पत्नी निशा के साथ जॉब के कारण दिल्ली में रहता है। उनके दो प्यारे बच्चे हैं अनुज और वाणी। वही छोटा बेटा अमन अपनी पत्नी रीमा के साथ सुमेधा जी के साथ ही रहता है और यहीं रहकर जॉब करता है। उनका एक बेटा है अनिकेत। बेटी आराधना की शादी हो चुकी है और वह अपने ससुराल में बेहद खुश हैं।

दोपहर का खाना हो जाने के बाद जब सभी परिवार के लोग साथ बैठे तब सुमेधा जी ने अपनी दोनों बहूओं को याद दिलाया,

'भाई त्यौहार आ गया है तो तुम्हारे पीहर वाले त्यौहार कब भेज रहे हैं? उन्हें याद दिला देना'

रीमा ने कहा,'जी, मेरा छोटा भाई त्यौहार लेकर कल आ जाएगा। मेरी उस से बात हो गई है'

' ठीक है! और निशा तुम्हारे पीहर से कौन आ रहा है? पिछली बार भी त्यौहार नहीं आया था। क्या बार-बार याद दिलाना पड़ता है? इतनी समझ खुद में नहीं है कि बहन बेटी के घर में त्यौहार जाता है'

निशा के पास बोलने के लिए कुछ भी नहीं था। निशा के पिताजी नहीं थे। जैसे तैसे उसकी माँ ने अपने दोनों बच्चों की परवरिश की थी। निशा बड़ी थी और उसका छोटा भाई आर्मी में था।

पिछली दिवाली के वक्त उसकी माँ की तबीयत ठीक नहीं थी और भाई को छुट्टी नहीं मिल पाई थी। इस कारण त्यौहार नहीं आ पाया था। बस इसी बात पर सुमेधा जी नाराज हो गई थी और त्यौहार के निशा को रुला कर उसका पीछा छोड़ा था। इस बार भी त्यौहार की उम्मीद कम थी क्योंकि भाई ने पहले ही बता दिया था कि उसे इस बार भी दिवाली पर छुट्टी नहीं मिल पा रही है। और माँ अकेली कैसे सब कुछ करेगी इसलिए जैसे तैसे निशा ने हिम्मत करके कहा,

'इस बार भी त्यौहार की उम्मीद कम है'

'क्यों? क्या हो गया'

'भाई को छुट्टी नहीं मिली है और आप देख सकते हैं कि माँ अकेली कैसे सब करेगी? उनकी तबीयत भी ठीक नहीं रहती'

' तो मैं क्या करूं? जो रिवाज है वे तो करने ही पड़ेंगे'

'पर'

'पर वर कुछ नहीं जानती मैं। रिवाज नहीं कर सकते तो शादी क्यों की। मुझे नहीं पता, कही से भी करो, त्यौहार तो करने ही पड़ेंगे'

सुनकर निशा रुआँसी हो गई। लेकिन कहे भी किससे। कोई कुछ कहने वाला भी नहीं था या शायद सुमेधा जी के सामने कुछ कहने की किसी में हिम्मत नहीं थी। नन्ही वाणी सब कुछ देख रही थी तो उसने रीमा से पूछा,

'चाची ये त्यौहार क्या होता है?'

'बेटा त्यौहार का मतलब नये कपड़े, मिठाईयाँ होता है'

इसके बाद निशा और रीमा रात के खाने की तैयारी में लग गए। रात के खाने के समय जब सब लोग इकट्ठे खाना खाने बैठे, तो अनिकेत ने अपने दोनों भाई बहन से पूछा,

'अनुज भैया और वाणी दीदी आप दोनों का फेवरेट त्यौहार कौनसा है?'

अनुज ने कहा कि उसका फेवरेट त्यौहार दिवाली है, वही वाणी ने कहा,

'मुझे कोई त्यौहार पसंद नहीं है'

सुनकर सब लोग वाणी की तरफ देखने लगे। तभी वरुण ने कहा,

'क्यों वाणी बेटा? आपको कोई त्यौहार क्यों पसंद नहीं'

'क्योंकि मेरे पापा की इतनी हिम्मत नहीं है कि वो हर त्यौहार पर अपने पैसों से हमें कपड़े दिला सके, इसलिए मम्मी का चेहरा उदास हो जाता है और वे कई बार रोने लगती हैं'

' यह तुम क्या कह रही हो बेटा? तुम्हें किसने कहा कि तुम्हारे पापा की इतनी हिम्मत नहीं है कि वे तुम्हें हर त्यौहार पर कपड़े नहीं दिला सकते'

' पापा मैंने देखा है कि हर त्योहार पर सबके कपड़े और मिठाई नानी के घर से आते हैं। इसका मतलब साफ है ना कि हमारे पास कपड़े और मिठाई खरीदने के पैसे नहीं है। आप ने सुना नहीं सुबह दादी मम्मी को कितना डाँट रही थी। उनके पास दीवाली पर पहनने के लिए कपड़े नही है न इसलिए' वाणी इतना कहकर तो चुप हो गई।

लेकिन आज उसकी बात का जवाब देने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। पर सबसे ज्यादा सुकून तो निशा और रीमा के चेहरे पर था कि एक बच्ची ने ही सही, इन लोगों को इनकी औकात तो दिखा दी।

डिजिटल दुनिया में प्रिंट मीडिया का भविष्य

विजय गर्ग

जबकि कई लोग स्थानीय और पेपर प्रकाशन उपलब्धता में गिरावट के बारे में चिंतित हैं, डिजिटल दुनिया ने श्रमिकों, विज्ञापनदाताओं और सामग्री निर्माण के लिए कई तरह के अवसर खोले है

बहुत समय हो गया है जब लोग नियमित रूप से सड़कों पर खड़े होकर दैनिक समाचार पत्र बेचते थे। जैसे-जैसे साल बीतते जा रहे हैं, प्रिंट मीडिया तेजी से डिजिटल होता जा रहा है। स्थानीय समाचार पत्र अपनी दुकानें बंद कर रहे हैं, राष्ट्रीय समाचार पत्र डिजिटल साइटों के पक्ष में अपना प्रसार कम कर रहे हैं। और जबकि चिंताएँ हैं, पत्रकारों, विज्ञापनदाताओं और सामग्री निर्माण के लिए अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला भी है।

मुद्रण माध्यम

₹मीडियाह अपने आप में एक व्यापक शब्द है। मीडिया के चार मुख्य प्रकार हैं : प्रिंट मीडिया, प्रसारण मीडिया, इंटरनेट मीडिया और आउट-ऑफ-होम मीडिया। इनमें समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, मेल, टेलीविज़न, रेडियो, फ़िल्में, सोशल मीडिया और कभी-कभी बिलबोर्ड शामिल हैं।

17वीं शताब्दी में जोहान्स गुटेनबर्ग द्वारा दुनिया का पहला मूवेबल टाइप प्रिंटिंग प्रेस बनाने के बाद प्रिंट मीडिया ने दुनिया भर में तहलका मचा दिया। 15वीं शताब्दी में पहली बार बनाई गई इस तकनीक का इस्तेमाल पहले ज़्यादातर किताबों के लिए किया जाता था, लेकिन बाद में इसका इस्तेमाल यूरोप के अख़बारों में भी किया जाने लगा।

आज, कई लोग डिजिटलीकरण और अपनी खबरें ऑनलाइन प्राप्त करने के पक्ष में पारंपरिक प्रिंट उद्योग से दूर जा रहे हैं। हालाँकि, प्रिंट अभी भी मरा नहीं है और जल्द ही विलुप्त होने वाला नहीं है।

डिजिटल की ओर बदलाव

2021 के अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुसार, प्रिंट से डिजिटल मीडिया में सबसे बड़ा बदलाव इस सदी के पहले दो दशकों में हुआ । ब्यूरो ने पाया कि वर्ष 2000 में अमेरिकी दैनिक समाचार पत्रों का अनुमानित कार्यदिवस प्रसार 55.8 बिलियन के उच्च स्तर पर था, और 2020 तक गिरकर 24.2 बिलियन हो गया, साथ ही उस 20-वर्ष की अवधि के दौरान राजस्व में भी आधी कटौती हुई।

क्यों ? आंशिक रूप से कोविड-19 के कारण, जिसने लोगों को इंटरनेट की ओर धकेल दिया। लेकिन डिजिटल मीडिया, जिसमें वेबसाइट, वीडियो प्लेटफ़ॉर्म और सोशल मीडिया शामिल हैं, प्रिंट या टेलीविज़न की तुलना में अधिक सुलभ भी था - और बहुत कम खर्चीला भी।

डिजिटल मीडिया ने रीटार्गेटिंग विज्ञापनों, नेटिव विज्ञापन, ग्राहक संबंध प्रबंधन उपकरणों और दर्शकों के बारे में बड़े डेटा के उपयोग के माध्यम से विपणन और संचार का विस्तार किया। डिजिटल संचार ने समाचार पत्र या टीवी प्रसारण की तुलना में अधिक फ़ोटो, वीडियो और कहानियों को देखना और उनकी समीक्षा करना भी आसान बना दिया।

आधुनिक युग में प्रिंट मीडिया

लेकिन, जैसा कि हमने कहा, इसका मतलब यह नहीं है कि प्रिंट खत्म हो गया है। इससे कहीं अलग, हाल ही में किए गए शोध से पता चलता है कि प्रिंट मीडिया विज्ञापन 2024 में $32.6 बिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है। एटऑन्स डेटा ने यह भी पाया कि पिछले दशक में पत्रिका पाठकों की संख्या स्थिर रही है, यहाँ तक कि अख़बारों के प्रसार में गिरावट के बावजूद भी। 2022 में, अध्ययन में पाया गया कि 91% वयस्क अभी भी पत्रिकाएँ पढ़ रहे थे, और प्रिंट मीडिया विज्ञापनों को डिजिटल की तुलना में अधिक भरोसेमंद माना जाता था।

प्रिंट मीडिया आज भी दुनिया में मौजूद है, लेकिन इसमें बहुत ज़्यादा बदलाव आया है, अक्सर इसके डिजिटल समकक्षों के साथ जोड़ा जाता है। वीडियोग्राफर, पॉडकास्टर, यूएक्स डिज़ाइनर, ग्राफ़िक डिज़ाइनर और इलस्ट्रेटर कुछ नए प्रकार के पद हैं जो प्रिंट मीडिया उद्योग में शामिल हो गए हैं , जो समाचार पत्रों और स्टूडियो के साथ मिलकर इन्फोग्राफ़िक्स, वीडियो, ऑडियो और अन्य आकर्षक दृश्य जोड़ते हैं जिन्हें ऑनलाइन पाया जा सकता है।

प्रकाशक अपने प्रिंट प्रकाशनों में ऐसी जानकारी भी शामिल कर रहे हैं जो पाठकों को उनकी ऑनलाइन सोशल मीडिया उपस्थिति से जोड़ती है। समाचार पत्रों की स्थिर छवियों को जीवंत बनाने के लिए अब क्यूआर कोड और संवर्धित वास्तविकता का भी उपयोग किया जा रहा है और ग्राहकों को प्रोत्साहन के रूप में अब संग्रहीत अंक भी दिए जा रहे हैं।

डिजिटल मीडिया आज

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता उद्योग को हमेशा के लिए बदल दिया है, और इसके पक्ष और विपक्ष दोनों हैं। स्थानीय पत्रकारिता में गिरावट आई है, और अनियंत्रित सोशल मीडिया पत्रकारिता के आगमन ने बड़े पैमाने पर गलत सूचना का मार्ग प्रशस्त किया है। हालाँकि, इसने समाचारों को और अधिक तुरंत सुलभ बना दिया है, साथ ही साथ काम करने के लिए मल्टी-मीडिया प्लेटफ़ॉर्म दिए हैं, नागरिक पत्रकारों और फ्रीलांसरों के लिए दरवाज़े खोले हैं।

कई समाचार पत्र और पत्रिकाएँ जो दशकों से चली आ रही हैं, अब अपने प्रकाशनों को ऑनलाइन ले जा रही हैं और सदस्यता-आधारित सेवाएँ दे रही हैं। ये मीडिया आउटलेट सोशल मीडिया पर भी नई उपस्थिति पा रहे हैं और अपने काम के लेआउट को बदल रहे हैं। डिजिटल मीडिया की दुनिया ने पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ी से सूचना फैलाने की अनुमति दी है और विज्ञापनदाताओं के लिए नए अवसर खोले हैं और जुड़ाव के नए तरीके खोजे हैं।

प्रिंट मीडिया का भविष्य

स्थानीय और अख़बारों के प्रकाशनों में गिरावट जारी है, डिजिटल मीडिया दुनिया भर के लोगों के लिए प्राथमिक समाचार स्रोत बनता जा रहा है। इस बदलाव के साथ-साथ, सोशल मीडिया और नई तकनीक के इस्तेमाल में वृद्धि के साथ-साथ सदस्यता-आधारित मीडिया भी आम होता जा रहा है।

जो प्रिंट प्रकाशन बचे हैं, उनमें से कई के ऑनलाइन संस्करण भी उपलब्ध हैं। प्रिंट प्रतियां डिजिटल दुनिया को भी दर्शाती हैं, क्यूआर कोड, एआर जैसी तकनीक का उपयोग करती हैं और ऐसी जानकारी शामिल करती हैं जो पाठकों को उनकी ऑनलाइन उपस्थिति पर पुनर्निर्देशित करती हैं। जैसे-जैसे पुराने प्रिंट मीडिया का अधिकांश हिस्सा खत्म होने लगा है, डिजिटल मीडिया का विकास तेजी से बढ़ रहा है।

विज्ञापनों पर लोकप्रिय हस्तियों का प्रभाव : विजय गर्ग

विज्ञापन के शुरुआती दिनों में, ब्रांड उपभोक्ताओं के साथ गहरे भावनात्मक संबंध बनाने के लिए आकर्षक कहानियों और यादगार टैगलाइन पर बहुत अधिक निर्भर थे। हच के विज्ञापन के बारे में सोचें जिसमें एक वफादार कुत्ता एक लड़के का ईमानदारी से पीछा करता है, कैडबरी डेयरी मिल्क का खुशमिजाज डांसर स्टेडियम में जश्न मनाता है, या सर्फ एक्सेल का दाग अच्छे हैं अभियान ।

ये केवल विज्ञापन नहीं थे; वे सांस्कृतिक टचस्टोन बन गए जिन्होंने उन ब्रांडों को याद रखने के तरीके पर स्थायी छाप छोड़ी हच और एयरटेल जैसे ब्रांडों ने मशहूर हस्तियों पर निर्भर किए बिना कथा- संचालित विज्ञापनों पर अपनी प्रतिष्ठा बनाई विश्वसनीयता, दोस्ती और खुशी जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। इन अभियानों की सफलता कहानी को नायक बनाने और उत्पाद को उन कथाओं में सहजता से एकीकृत करने में निहित थी जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती थीं। हालांकि, व्यापक सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिसमें प्रसिद्ध चेहरे लग्जरी कारों से लेकर रोजमर्रा के उपकरणों तक सब कुछ का प्रचार कर रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है क्या कहानी कहने की कला सेलिब्रिटी करिश्मा के आकर्षण से ढक गई है? फिर भी, कुछ सेलिब्रिटी- संचालित विज्ञापन शक्तिशाली कथाओं के माध्यम से उस भावनात्मक संबंध को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। अमिताभ बच्चन का कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) से जुड़ना इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

शो की ब्रांडिंग सिर्फ एक गेम शो के बारे में नहीं है; यह आम लोगों के सपनों, आकांक्षाओं और जीवन बदलने वाले पलों के बारे में है। इसी तरह, शाहरुख खान की हुंडई के साथ लंबे समय से चली आ रही साझेदारी ने ऐसे विज्ञापन बनाए हैं जो कारों के प्रदर्शन से कहीं आगे जाते हैं। हाल ही में हुंडई समर्थ पहल विकलांग लोगों के लिए समावेशिता और सशक्तिकरण को उजागर करती है। इन विज्ञापनों में, शाहरुख खान सिर्फ एक उत्पाद का समर्थन नहीं करते हैं; वे एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन जाते जो सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देती है, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती है। ये अभियान सिर्फ इसलिए सफल नहीं हुए क्योंकि उनमें एक सेलिब्रिटी को दिखाया गया था, बल्कि इसलिए भी क्योंकि उन्होंने सार्वभौमिक भावनाओं और मूल्यों को हुआ था जिससे उपभोक्ता जुड़ सकते थे। कहानी हीरो बनी रही, और सेलिब्रिटी ने कहानी को बिना छायांकित किए बढ़ाया। यह अपने शुद्धतम रूप में विज्ञापन था कनेक्शन और अर्थ पर केंद्रित ।

बॉलीवुड अभिनेताओं द्वारा म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय उत्पादों का विज्ञापन करने से लेकर रियल एस्टेट या सॉफ्ट ड्रिंक्स को बढ़ावा देने वाले क्रिकेटरों तक, सेलिब्रिटी विज्ञापन व्यापक हो गए हैं। म्यूचुअल फंड विज्ञापनों में एमएस धोनी की भागीदारी इसका एक प्रमुख उदाहरण है। उनकी विश्वसनीयता, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, वित्तीय उत्पादों को दर्शकों के लिए अधिक सुलभ और विश्वसनीय बनाती है, जो अन्यथा संशयी हो सकते हैं। इसी तरह, पान मसाला विज्ञापनों में बड़े नाम वाले सितारे, हालांकि विवादास्पद हैं, ने इन उत्पादों की दृश्यता और बिक्री में निर्विवाद रूप से वृद्धि की है। लेकिन सेलिब्रिटी-केंद्रित विज्ञापन की ओर इतना बदलाव क्यों हुआ है? इस प्रवृत्ति में कई कारक योगदान करते हैं। खंडित ध्यान अवधि के युग में, उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, और सेलिब्रिटी तुरंत आकर्षित कर लेते हैं। उनके पहचाने जाने वाले चेहरे और स्टार पावर एक उत्पाद को भीड़ भरे मीडिया स्पेस में अलग बना सकते हैं। सेलिब्रिटी भी विश्वास और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं; उपभोक्ता अक्सर किसी सेलिब्रिटी की सफलता को उनके द्वारा प्रचारित उत्पाद की गुणवत्ता से जोड़ते हैं, खासकर तब जब अपरिचित ब्रांड पर भरोसा कम हो सकता है। सोशल मीडिया के उदय ने मशहूर हस्तियों को बड़े पैमाने पर अनुसरण करने वाले प्रभावशाली लोगों में बदल दिया है, और ब्रांड दर्शकों तक पहुंचने के लिए इन व्यक्तिगत कनेक्शनों का उपयोग करते हैं। जैसे-जैसे ब्रांड वैश्विक स्तर पर फैलते हैं, वे व्यापक, अधिक विविध बाजारों तक पहुँचने के लिए अंतरराष्ट्रीय अपील वाले मशहूर हस्तियों का उपयोग करते हैं।

जबकि मशहूर हस्तियां चर्चा पैदा करने में मदद

कर सकती हैं, तकनीक विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक विज्ञापन रणनीतियों को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एआई एल्गोरिदम उपभोक्ता व्यवहार, वरीयताओं और रुझानों का विश्लेषण करते हैं, जिससे ब्रांड को अत्यधिक व्यक्तिगत और लक्षित अभियान बनाने में मदद मिलती है। हालांकि, यह डेटा- संचालित दृष्टिकोण कभी-कभी ऐसे फ़ॉर्मूलाबद्ध विज्ञापनों की ओर ले जा सकता है जो रचनात्मकता पर मीट्रिक को प्राथमिकता देते हैं, जिससे कहानी कहने को इतना शक्तिशाली बनाने वाले मानवीय स्पर्श के खोने का जोखिम होता है।

सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों के उदय ने विज्ञापनों में एक नई गतिशीलता पेश की है। पारंपरिक मशहूर हस्तियों के विपरीत प्रभावशाली के पास अक्सर विशिष्ट दर्शक होते हैं और वे उनके साथ अधिक व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ते हैं। उनका ब्रांड मूल्य सापेक्षता और प्रामाणिकता में निहित है, जो मुख्यधारा के मशहूर हस्तियों की पॉलिश छवि तुलना में अधिक वास्तविक लग सकता है। ब्रांड अब बड़े पैमाने पर अपील के लिए हाई-प्रोफाइल सेलिब्रिटीज और लक्षित, प्रामाणिक जुड़ाव के लिए प्रभावशाली लोगों के बीच संतुलन बनाते हैं, क्योंकि वे समझते हैं कि हालांकि स्टार पावर प्रभावशाली है, लेकिन विषय-वस्तु और उपभोक्ताओं के साथ वास्तविक संबंध अभी भी बहुत मायने रखते हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

MRF के सिर पर नहीं रहा महंगे शेयर का ताज, अब ये है देश का सबसे महंगा स्टॉक

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर बाजार में सबसे महंगे शेयर का खिताब टायर बनाने वाली कंपनी मद्रास रबर फैक्ट्री लिमिटेड (MRF Ltd) के पास था। अब कंपनी के सिर पर यह खिताब नहीं रहा। जी हां स्मॉलकैप कंपनी के शेयर का भाव एमआरएफ के शेयर से दोगुना है। अब भारतीय शेयर बाजार का सबसे महंगा शेयर Elcid Investment Ltd. बन गया है।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में निवेशक अक्सर ज्यादा रिटर्न देने वाले शेयर के साथ ही महंगे शेयर की तलाश करते हैं। वह कंपनी की फाइनेंशियल परफॉर्मेंस के साथ यह भी देखते हैं कि इस शेयर ने कितना रिटर्न दिया। अभी तक भारतीय शेयर बाजार में सबसे महंगा शेयर टायर बनान वाली कंपनी मद्रास रबर फैक्ट्री लिमिटेड (MRF Ltd) का था। लेकिन, अब एमआरएफ का शेयर सबसे महंगा शेयर नहीं है, बल्कि महंगे शेय का खिताब दूसरी कंपनी ने ले लिया है। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि देश का सबसे महंगा स्टॉक का खिताब किसके पास है।

कौन-सा है सबसे महंगा शेयर

एमआरएफ के शेयर की कीमत करीब 1.2 लाख रुपये है, जबकि एक स्मॉलकैप कंपनी के शेयर की कीमत इससे दोगुनी हो गई है। इस शेयर की सबसे हैरान करने वाली बात यह कि इस साल जून में इस स्टॉक की कीमत 3.21 रुपये प्रति शेयर था।

यह शेयर एल्सिड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (Elcid Investment Ltd Share) का है। इस शेयर की कीमत आज 2,36,250 रुपये प्रति शेयर है। शेयर में तेजी के बाद करीब 4,800 करोड़ रुपये हो गया।

BSE ने जारी किया सर्कुलर

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) ने 21 अक्टूबर 2024 को सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर के अनुसार एक विशेष कॉल के ऑक्शन सिस्टम के माध्यम से कई शेयरों की लिस्टिंग होगी। 29 अक्टूबर 2024 को स्पेशल प्रोविजन के बाद स शेयरों का प्रभावी दरों पर निपटान किया गया। इन चुनिंदा शेयरों की लिस्टिंग में एल्सिड इन्वेस्टमेंट्स भी था। एल्सिड इन्वेस्टमेंट्स के साथ नलवा संस इंवेस्टमेंट, टीवीएस होल्डिंग्स, कल्याणी इन्वेस्टमेंट कंपनी, LIC इन्वेस्टमेंट, महाराष्ट्र स्कूटर्स, GFL, हरियाण कैपफिन और पिलानी इन्वेस्टमेंट एंड इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन के शेयर की भी लिस्टिंग हुई थी।

क्यों महंगा है ये शेयर

एल्सिड इन्वेस्टमेंट्स के पास 2,00,000 शेयर है। इस कंपनी के पास एशियन पेंट्स लिमिटेड की 2.95 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले सत्र में एशियन पेंट्स लिमिटेड के शेयर की कीमत करीब 8,500 करोड़ रुपये थी। यही एक मुख्य कारण है कि एल्सिड इन्वेस्टमेंट्स की कीमत इतनी ज्यादा है।

प्रमोटर्स ने पेश किया डीलिस्टिंग का प्रस्ताव

एल्सिड इन्वेस्टमेंट के प्रमोटर्स ने शेयर की डीलिस्टिंग का प्रस्ताव पेश किया है। सार्वजनिक शेयरहोल्डर्स से बहुमत न मिलने के कारण यह प्रस्ताव खारिज हो गया। प्रमोटर्स मांग कर रहे हैं कि 1,61,023 रुपये प्रति शेयर के बेस प्राइस इसकी डीलिस्टिंग की जाए।

जूलरी खरीदकर लोगों ने मनाई धनतेरस, एक दिन में कितने टन बिका सोना?

29 अक्टूबर 2024 को धनतेरस का त्योहार मनाया गया है। इस दिन सोना-चांदी के साथ नए सामान की खरीद को शुभ माना जाता है। इस साल पिछले साल की तुलना में सोने की खरीद कम रही। लेकिन लोगों ने चांदी खरीदना पसंद किया। इसके अलावा गाड़ियों की खरीद में भी तेजी देखने को मिली। इस आर्टिकल में जानते हैं कि धनतेरस के मौके पर सोने की बिक्री कितनी हुई।

नई दिल्ली। दीवाली 2024 को महोत्सव शुरू हो गया है। इस महोत्सव का शुभारंभ बीते दिन धनतेरस (Dhanteras) के साथ हुआ था। भारतीय परंपरा के अनुसार धनतेरस के दिन नए सामान की खरीद शुभ मानी जाती है। धनतेरस पर सोना-चांदी की खरीद शुभ मानी जाती है। धनतेरस के दिन सुनार की दुकानों पर काफी भीड़ देखने को मिली थी।

कितना बिका सोना

धनतेरस पर सोने की खरीद को लेकर रिपोर्ट सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस साल धनतेरस पर 35 टन गोल्ड बिका है। वहीं, इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के महासचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया कि धनतेपस पर 28,000 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस साल सोने की खरीद कम रही। जी हां, पिछले साल 45 टन गोल्ड की खरीद हुई थी।

चांदी की हुई जबरदस्त खरीद

इस साल सोने से ज्यादा लोगों ने चांदी खरीदना पसंद किया। पिछले साल की तुलना में इस साल चांदी की बिक्री में 30 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, सुरेंद्र मेहता के अनुसार लोगों ने ज्वैलरी से ज्यादा सिक्कों की खरीद की है। गोल्ड की टोटल बिक्री में 14 टन सिक्का था।

क्यों कम हुई बिक्री

सोने और चांदी की बिक्री में इस साल गिरावट की वजह कारोबारी दिन भी है। एक्सपर्ट के अनुसार कारोबारी दिन होने के कारण लोग बाजार में कम निकले थे। दोपहर ढाई बजे के बाद सर्राफा बाजार में भीड़ देखने को मिली थी। कारोबारी दिन के अलावा सोने की कीमतों में तेजी भी एक कारण था। पिछले साल की तुलना में सोने और चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली है। सोने-चांदी के महंगे हो जाने की वजह से भी लोगों ने इसे नहीं खरीदा है।

विश्व स्वर्ण परिषद के क्षेत्रीय सीईओ (भारत) सचिन जैन के अनुसार धनतरेस पर युवा खरीदारों की संख्या में तेजी आई। युवा खरीदारों के बीच सोने के सिक्के, चेन, झुमके व कंगन आदि आभूषणों को लेकर क्रेज देखने को मिला।

धनतेरस पर लोगों ने खरीदी गाड़ी

धनतेरस पर सोने-चांदी के साथ लोग गाड़ियां भी खरीदना पसंद करते हैं। इस साल भी धनतेरस पर गाड़ियों की खरीद अच्छी रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धनतेरस पर एसयूवी के साथ लग्जरी कारों की डिमांड काफी रही। किआ इंडिया के अनुसार धनतेरस पर उन्होंने 6,000 से ज्यादा कारों की डिलीवरी की है।

सिबिल स्कोर '0' हो जाए तो क्या मिलेगा Loan? आवेदन से पहले जरूर जान लें

परिवहन विशेष न्यूज

सिबिल स्कोर ने बैंकिंग कामों को एक हद तक आसान कर दिया है। बैंक लोन को सेंशन करने से पहले आवेदक के सिबिल स्कोर को चेक करता है। अगर सिबिल स्कोर सही होता है तब ही लोन मिलता है। ऐसे में लोन के आवेदन से पहले सिबिल स्कोर को सही करें। अगर किसी आवेदक को सिबिल स्कोर जीरो है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

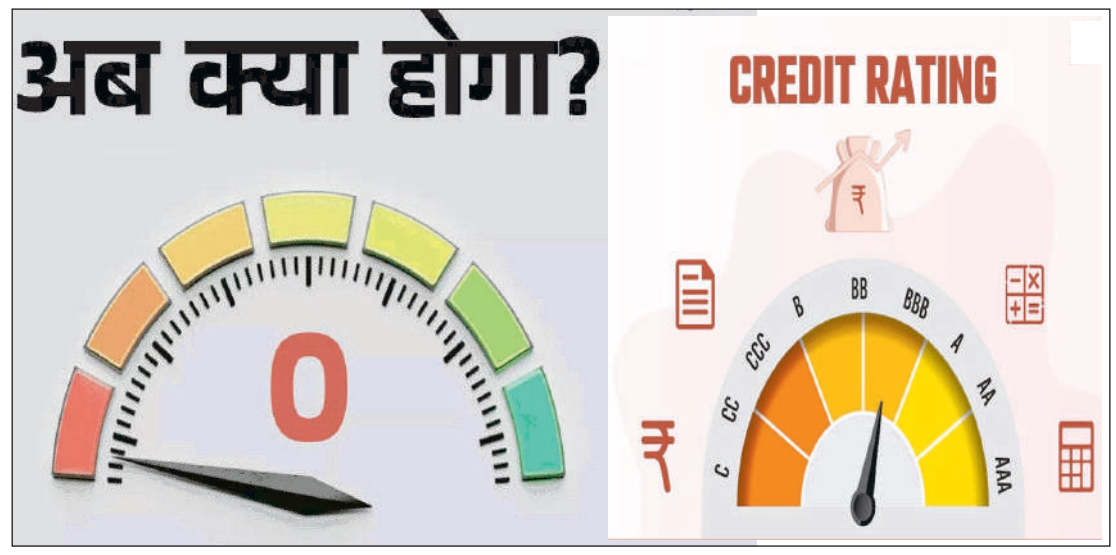

नई दिल्ली। सभी फाइनेंशियल एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि हमेंशा अपने सिबिल स्कोर को मेंटेन करें। अगर सिविल स्कोर लाल निशान पर पहुंच जाता है तो दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। अब ऐसे में सवाल आता है कि अगर किसी व्यक्ति का सीबिल स्कोर 0 है तो क्या उसे लोन के आवेदन करने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

अगर सिबिल स्कोर 0 है तो फिर फाइनेंशियल तौर पर आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। सिबिल स्कोर अगर 300 प्वाइंट होता है तो उसे खराब माना जाता है। ऐसे में आपको कोशिश करनी चाहिए कि आप अपना सिबिल स्कोर को जल्द से जल्द सही करें।

क्या है नुकसान

अगर सिबिल स्कोर खराब होता है तो आपको लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है। कोई भी बैंक पहले सिबिल स्कोर ही चेक करती है। सिबिल स्कोर के जरिये यह पता चल जाता है कि आप लोन चुकाने की स्थिति में है या नहीं। अगर सिबिल स्कोर खराब है और बैंक आपको लोन देता है तो उन्हें डर रहता है कि कहीं आप डिफॉल्ट न कर दें।

अगर कोई बैंक खराब सिबिल स्कोर पर भी लोन दे देता है तो फिर वह कस्टमर से अधिक ब्याज वसूलता है। दरअसल, बैंक को डिफॉल्ट का खतरा बना रहता है। इस वजह से वह रिस्क को कम करने के लिए कस्टमर से ज्यादा ब्याज लेता है।

सिबिल स्कोर खराब होने का असर इंश्योरेंस पर भी पड़ता है। जी हां, खराब सिबिल स्कोर होने पर इंश्योरेंस कंपनी भी कस्टमर से ज्यादा प्रीमियम लेती है। इस स्थिति में इंश्योरेंस कंपनी को क्लेम का खतरा बना रहता है। इस कारणवश वह ज्यादा प्रीमियम लेते हैं। कई इंश्योरेंस कंपनियां तो खराब सिबिल स्कोर होने पर इंश्योरेंस देने के लिए मना कर देता है।

खराब सिबिल स्कोर होने पर अगर आप पर्सनल लोन (Personal Loan) या फिर होम लोन (Home Loan) लेते हैं तब भी दिक्कत होगी। इन दोनों ही लोन में आपको ज्यादा ब्याज देना होगा। इसके साथ ही बैंक लोन के बदले कुछ सामान भी गिरवी रखवा सकती है।

सिबिल स्कोर 0 है और आप लोन के लिए अप्लाई करते हैं तो ऐसी स्थिति में आपको तुरंत लोन नहीं मिलेगा। बैंक और वित्तीय संस्थान पहले आपके सभी डॉक्यूमेंट्स की जांच करेगा और उसके बाद ही लोन सेंशन करेगा। अगर लोन के बदले कोई सामान गिरवी रखवाते हैं तो भी पहले उसकी जांच होगी।

क्या पीपीएफ में ओपन करा सकते हैं ज्वाइंट अकाउंट, इन बातों से अभी तक आप हैं अनजान

परिवहन विशेष न्यूज

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (Public Provident Fund) निवेश के लिए काफी पॉपुलर ऑप्शन है। यह एक टैक्स सेविंग स्कीम है जो लोगों को निवेश के लिए काफी आकर्षित करता है। पीपीएफ में जहां अच्छा रिटर्न के साथ टैक्स बेनिफिट मिलता है। वहीं कई लोग इसके कुछ फैक्ट्स से अनजान हैं। हम आपको इस आर्टिकल में पीपीएफ से जुड़े कुछ ऐसे फैक्ट्स के बारे में बताएंगे।

नई दिल्ली। आज के समय में सेविंग के साथ निवेश करना बेहद जरूरी है। निवेश के लिए मार्केट में कई ऑप्शन मौजूद हैं। इन्वेस्टमेंट स्कीम में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (Public Provident Fund) काफी पॉपुलर है। इस स्कीम में कई निवेशक निवेश करके बड़ा फंड जमा करते हैं। यह स्कीम टैक्स सेविंग स्कीम (Tax Saving Scheme) है। टैक्स बेनिफिट पाने के लिए निवेशक इस स्कीम की तरफ रुख करते हैं।

पीपीएफ EEE कैटेगरी में आता है। इस स्कीम के जरिये तीन तरह से टैक्स बचाया जाता है। जी हां. इस स्कीम में आप निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी तीनों पर टैक्स बचा सकते हैं। निवेशक इन फायदों के बारे में तो जानते हैं पर कई बातों से अनजान भी है। हम आपको नीचे पीपीएफ से जुड़े कुछ फैक्ट्स (PPF Facts) के बारे में बताएंगे।

क्या ओपन कर सकते हैं ज्वाइंट अकाउंट

पीपीएफ में ज्वाइंट अकाउंट ओपन करने का ऑप्शन नहीं होता है। इस स्कीम में भले ही नॉमिनी अनिवार्य होता है पर उसके लिए भी अलग हिस्सा तय होता है। अगर पीएफ अकाउंटहोल्डर की मृत्यु हो जाती है तब नॉमिनी को वो राशि मिलता है।

नहीं खुलेंगे दो अकाउंट

पीपीएफ की स्कीम में एक से ज्यादा अकाउंट को ओपन करवाने की सुविधा नहीं मिलती है। अर आप गलती से दो अकाउंट ओपन करवाते हैं तो दूसरे अकाउंट को वैध नहीं माना जाएगा। अगर आपने दो अकाउंट ओपन किया है तो भविष्य में किसी परेशानी से बचने के लिए आपको अकाउंट को मर्ज करवाना होगा। आप जब तक अकाउंट मर्ज नहीं करवाते हैं तब तक आपको ब्याज का लाभ नहीं मिलेगा।

स्थिर है ब्याज दर

पीपीएफ स्कीम में निवेश राशि पर ब्याज का लाभ मिलता है। इस स्कीम पर लागू ब्याज दर में काफी समय से कोई बदलाव नहीं हुआ है। जनवरी-मार्च 2020 से पीपीएफ का ब्याज 7.1 फीसदी पर स्थिर बना हुआ है। बाजार में इससे ज्यादा ब्याज दर वाले इन्वेस्टमेंट स्कीम मौजूद है।

पीपीएफ में निवेश की लिमिट

पीपीएफ में निवेश की सालाना लिमिट 1.5 लाख रुपये है। अगर आप साल में 1.5 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश करना चाहते हैं तो फिर आपको कोई दूसरा ऑप्शन सेलेक्ट करना चाहिए।

सरकार दे रही है दीवाली पर फ्री सिलेंडर का गिफ्ट, जानिए आवेदन से लेकर सबकुछ

दीवाली के त्योहार पर सरकार ने लाखों लोगों को गिफ्ट दिया है। जी हां सरकार लाखों लोगों को फ्री में गैस सिलेंडर दे रही है। सरकार द्वारा मिल रहे इस तोहफे से लाभार्थी के चेहरे पर मुस्कान आ गई है। अगर आप भी यह गिफ्ट पाना चाहते हैं तो हमने इस आर्टिकल में इससे जुड़ी सभी बातें बताई है। पढ़ें पूरी खबर...

नई दिल्ली। देशभर में दीवली (Diwali 2024) की धूमधाम है। इस मौके पर जहां लोग अपने दोस्त और रिश्तेदारों को दीवाली गिफ्ट दे रहे हैं। वहीं अब सरकार भी लोगों को दीवाली का तोहफा (Diwali Gift) दे रही है। इस दीवाली सरकार लोगों को फ्री गैस सिलेंडर (Free Gas Cylinder) दे रही है। इसका लाभ अगर आप भी उठाना चाह रहे हैं तो आपको आवेदन करना होगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)

सरकार ने गरीब वर्गों के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (Pradhan Mantri Ujjwala Yojana) शुरू की थी। इस योजना के लाभार्थी को फ्री गैस सिलेंडर का तोहफा मिल रहा है। वर्तमान में इस योजना का लाभ उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के निवासी को मिल रहा है। सरकार ने इस साल दीवाली पर लोगों को आर्थिक लाभ देने के लिए फ्री गैस सिलेंडर देने का एलान किया है। इसका लाभ लाखों परिवार को होगा।

कैसे पाएं फ्री सिलेंडर का लाभ

अगर आप भी इसका लाभ पाना चाहते हैं तो आपके पास प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का कनेक्शन होना चाहिए। इसके अलावा आपका आधार कार्ड (Aadhaar Card) भी एलपीजी कनेक्शन से लिंक होना चाहिए और गैसे एजेंसी से ई-केवाईसी (E-kyc) होना चाहिए। अगर आपने यह काम अभी तक नहीं करवाया है तो आपको जल्द से जल्द यह काम निपटा लेना चाहिए। इसके अलावा उज्जवला योजना के लाभार्थी को पहले सिलेंडर के लिए पैसे देने होंगे फिर 3-4 दिन के भीतर उनके बैंक अकाउंट में पैसे वापस आ जाएंगे।

क्या है आवेदन का प्रोसेस

आपको सबसे पहले नजदीक के गैस एजेंसी जाना है।

यहां जाकर आपको अपना रजिस्ट्रेशन पक्का करवाना होगा।

इसके बाद आपको अपना गैस कनेक्शन को आधार कार्ड से लिंक करवाना होगा और ई-केवाईसी करवाना होगा।

ये डॉक्यूमेंट है जरूरी

सरकार के फ्री सिलेंडर के गिफ्ट को पाने के लिए लाभार्थी को आधार कार्ड, राशन कार्ड (Ration Card), पैन कार्ड (Pan Card) के साथ इनकम सर्टिफिकेट (Income Certificate) और गैस कनेक्शन की कॉपी ले जाना होगा।

बता दें कि उज्ज्वला योजना का लाभ केवल महिलाओं को मिलता है। इस योजना में सरकार सिलेंडर पर लगभग 300 रुपये की सब्सिडी देती है।

दीपावली पर पंजाब-हरियाणा में बड़े पैमाने पर जल सकती है पराली, पर्यावरण मंत्रालय ने दोनों राज्यों को किया सतर्क

दीपावली के दिन ही पराली जलने की सबसे अधिक घटनाएं होती हैं। इसे देखते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने वायु गुणवत्ता आयोग के जरिए दोनों राज्यों को सतर्क किया है। पिछले साल हरियाणा और पंजाब में बड़े पैमाने पर पराली जलाने की घटनाएं सामने आई थी। वर्ष 2022 में दीपावली पर दोनों राज्यों में पराली जलने की सबसे अधिक करीब 16 हजार घटनाएं रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

नई दिल्ली। दीपावली वैसे तो खुशियों का पर्व है। जिसमें लोग एक-दूसरे की खुशी, समृद्धि व बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के बाद हवाएं जिस तरह से जानलेवा हो जाती है, उनमें लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है।

हालांकि इनके पीछे सिर्फ पटाखे ही नहीं है बल्कि दीपावली की जगमगाहट में पंजाब-हरियाणा में जलाई जाने वाली पराली भी है। जिसका जहरीली धुंआ दिल्ली-एनसीआर में कुछ इस तरह से छा जाता है कि लोगों की सांसों पर हफ्तों तक संकट बनकर मंडराता रहता है।

पिछले साल भी जली थी पराली

फिलहाल दीपावली के मौके पर पराली न जलने पाए इसे लेकर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने वायु गुणवत्ता आयोग के जरिए पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को अलर्ट किया है। साथ ही पिछले सालों के अनुभवों के आधार यह संभावना जताई है कि इस मौके पर ताक में बैठे किसान बड़े पैमाने पर पराली जला सकते है।

मौका देखकर देते हैं अंजाम

मंत्रालय से जुड़े शीर्ष अधिकारियों के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा में वैसे तो 50 प्रतिशत तक पराली कट या जल चुकी है। बाकी पराली को किसान जल्द ही साफ करेंगे, क्योंकि उन्हें बुआई भी करनी है।

ऐसे में वह दीपावली का मौका देखकर इस काम अंजाम दे सकते है। यह समय उनके लिए इसलिए भी मुफीद रहता है, क्योंकि त्योहार के चलते मैदानी अमले का मूवमेंट कम रहता है।

यही वजह है कि दीपावली के दिन विशेष सतर्कता बरतने के लिए निर्देश दिए गए है। साथ ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम को भी अलर्ट मोड में रहने के लिए कहा है।

पिछले सालों में देखे तो दीपावली के दिन ही पराली जलने की सबसे अधिक घटनाएं रिपोर्ट हुई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 में दीपावली 24 अक्टूबर को थी और उस दिन दोनों राज्यों में पराली जलने की सबसे अधिक करीब 16 हजार घटनाएं रिपोर्ट हुई थी।

पराली जलने के सबसे अधिक मामले

वहीं 2023 में दीपावली 12 नवंबर को थी और उस दिन पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में पराली जलने की करीब 15 हजार घटनाएं रिपोर्ट हुई थी। जो एक दिन में उस सीजन में पराली जलने की सबसे अधिक मामले थे।

वहीं, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्लीवासियों से दिवाली पर पटाखे फोड़ने से परहेज करने और दीये जलाने को कहा। उन्होंने कहा कि दिवाली रोशनी का त्योहार है, पटाखों का नहीं।

वीर शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में भारत विकास परिषद ने जलाएं 1100 सौ दीपक

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। तिरंगा फाउंडेशन द्वारा आज़ भारत विकास परिषद के सहयोग से एक दिया वीर शहीदों के नाम शहीद दीपोत्सव शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में उपवन पर 1100 सौ दीपक जलाकर आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत कैप्टन शुभम गुप्ता के माता-पिता एडवोकेट वसंत गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, कमलेश गुप्ता ,भोला पंडित, शनि उपाध्याय, धर्मगोपाल मित्तल मुकेश मित्तल, चंद्रवीर सिंह, तपन अग्रवाल, रामनिवास गुप्ता (रामू भाई) सुबोध पांडे, सोनू तिवारी द्वारा शाहीद कैप्टन शुभम गुप्ता के सम्मुख दीप प्रजनन कर की गई।

कार्यक्रम में आए हुए माता-पिता एवं सभी आगंतुक की आंखों में कैप्टन शुभम गुप्ता की यादों के आंसू थे जो छुपाने से भी नहीं छुप रहे थे। पूरा स्थल कैप्टन शुभम गुप्ता के जय घोष से गूंज रहा था। भारत माता की जयघोष के साथ सभी आगंतुक देशभक्त दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए और एक दीपक शहीदों के नाम जलाया। एक आकर्षक दीपकों की रंगोली अनुष्का गुप्ता ,रितिका गुप्ता, अदिति गुप्ता द्वारा बनाई गई। कार्यक्रम में राहुल गुप्ता राजीव गुप्ता कमलेश गुप्ता रमाकांत गुप्ता सत्यदेव गुप्ता राजीव गुप्ता हेमंत गुप्ता भूपेंद्र गुप्ता नरेश गुप्ता नितिन गुप्ता संजय गुप्ता शालू गुप्ता लता गुप्ता सोनम गुप्ता विमला गुप्ता प्रिया गुप्ता अतुल गुप्ता दिलीप गुप्ता सोनी गुप्ता मधु गुप्ता उपस्थित हुए।

दीवाली की रोशनी के बाद इन चार तरह के लोगों पर छा सकते हैं बीमारियों के बादल, सेहत को लेकर होना पड़ सकता है परेशान

दीवाली रोशनी का त्योहार है लेकिन पटाखों के इस्तेमाल से होने वाला प्रदूषण इस खुशी पर ग्रहण लगा देता है। दीवाली के बाद स्मॉग का बढ़ना बीते कुछ सालों से आम बात हो गई है। ऐसे में इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि किन लोगों के लिए ये प्रदूषण मुसीबत (Diwali Health Risks) की वजह बन सकता है और सेहत से जुड़ी समस्याओं का शिकार बना सकता है।

नई दिल्ली। दिवाली का त्योहार खुशियों का त्योहार है, लेकिन पटाखों का धुआं इस त्योहार को जहरीला बना देता है। दीवाली के बाद शहरों में छाया स्मॉग, न सिर्फ हमारी सेहत के लिए खतरा है बल्कि हमारे पर्यावरण के लिए भी। बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग इस प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सांस की बीमारियों, आंखों में जलन और त्वचा संबंधी समस्याओं में इजाफा हो जाता है। ऐसे में, आइए इस आर्टिकल में आपको विस्तार से बताते हैं कि दीवाली के बाद किन लोगों को सेहत से जुड़ी समस्याओं से जूझना पड़ सकता है।

बच्चे

स्मॉग बच्चों के लिए जहर की तरह है। उनके नाजुक फेफड़ों के विकास के दौरान स्मॉग का संपर्क बहुत हानिकारक होता है। बच्चों के बाहर खेलने की आदत के कारण वे स्मॉग के सबसे ज्यादा शिकार होते हैं। इससे न केवल अस्थमा, बल्कि निमोनिया और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज जैसे गंभीर फेफड़ों की बीमारियां भी हो सकती हैं।

ज्यादातर रहते हैं बाहर

बाहर काम करने वाले लोगों को वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा नुकसान होता है। वे आसानी से बीमार पड़ जाते हैं और उनकी सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि सीओपीडी। आंखों में जलन, लाल होना और सूखापन भी आम समस्याएं हैं। दीवाली के बाद कुछ लोगों को गले में खराश और आवाज बैठने की समस्या भी हो सकती है।

सांस के मरीज

जिन लोगों को अस्थमा या पुरानी सांस की बीमारी है, उन्हें स्मॉग से सबसे ज्यादा नुकसान होता है। वे बहुत जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। स्मॉग की वजह से इनकी बीमारियां और भी बढ़ सकती हैं और उन्हें दिल का दौरा या लकवा भी हो सकता है। जब स्मॉग ज्यादा होता है तो इन लोगों को सांस लेने में बहुत दिक्कत होती है और अक्सर अटैक आ जाते हैं।

बुजुर्ग

बुजुर्गों का कमजोर इम्यून सिस्टम उन्हें वायु प्रदूषण के प्रति ज्यादा संवेदनशील बनाता है। प्रदूषण हार्ट डिजीज के खतरे को बढ़ाता है, जिससे दिल का दौरा और इससे जुड़ी अन्य समस्याएं हो सकती हैं। स्मॉग नाक और गले को परेशान करता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और फेफड़ों में सूजन आ जाती है।

इस्कॉन को गजपति का पत्र: यदि जन्नाष्टमी एक ही दिन है, तो रथ यात्रा अलग क्यों है?

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

पुरी/भुबनेश्वर: पुरी गजपति महाराजा दिब्यसिंह देव ने अमेरिका के ह्यूस्टन में इस्कॉन द्वारा आदिनिया स्नान यात्रा और रथ यात्रा के आयोजन के खिलाफ इस्कॉन को पत्र लिखा है। गजपति महाराजा ह्यूस्टन ने मंदिर अधिकारियों और मायापुरी मुख्यालय के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। उन्होंने इस पत्र में उल्लेख किया है कि आदिन रथयात्रा पुरी प्रचलित परंपरा के खिलाफ जा रही है।इस्कॉन को पहले श्रीमंदिर की परंपराओं के अनुसार रथ यात्रा निकालने के लिए कहा गया था। एई इस्कॉन से भी कई बार चर्चा हुई। इस हेतु आवश्यक प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसलिए, महाराज ने पत्र में उल्लेख किया है कि 9 नवंबर को इस्कॉन द्वारा प्रस्तावित रथ यात्रा को रोक दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, नाइजीरिया इस्कॉन भी 23 नवंबर को एक रथ यात्रा आयोजित करने की योजना बना रहा है। गजपति ने पत्र में लिखा कि यह सब अलग-अलग और नियमानुसार किया जाना चाहिए। गजपति महाराज ने पत्र में पूछा।

इस्कॉन ने पुरानी जगन्नाथ संस्कृति और परंपरा को नष्ट करने की कोशिश की है। बार-बार विचार-विमर्श के बाद भी बेतरतीब एक दिवसीय यात्राएं निकालने की योजना बनाई जा रही है। इस बार इस्कॉन अमेरिका के ह्यूस्टन में 3 नवंबर को महा भगवान की स्नान यात्रा और 9 नवंबर को रथ यात्रा आयोजित करने की योजना बना रहा है। आषाढ़ शुक्ल तिथि के बजाय अपनी मर्जी से इस्कॉन की स्नान यात्रा और रथ यात्रा के आयोजन का जगन्नाथ प्रेमी ने कड़ा विरोध किया है।

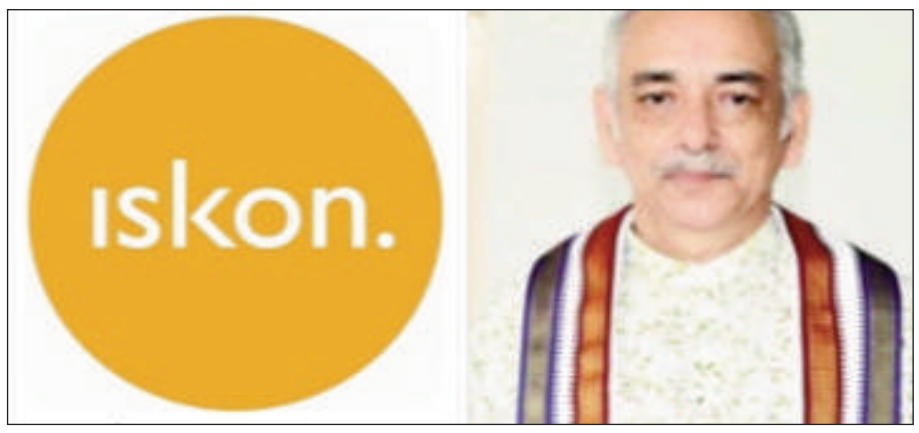

सरकार के एक फैसले से गिर गए पेट्रोल-डीजल के दाम, दीवाली पर पंप मालिकों को भी मिली खुशखबरी

सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ राज्यों में पेट्रोल व डीजल की ढुलाई पर अंतरराज्यीय लागत को समायोजित करने का फैसला किया है। इससे हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड व कुछ पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ जगहों में पेट्रोल व डीजल की कीमतें कम हो गई हैं। देश में अभी 88 हजार के करीब पेट्रोल पंप है और इनकी तरफ से काफी लंबे समय से कमीशन बढ़ाने की मांग की जा रही थी।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पिछले कई महीनों के न्यूनतम स्तर पर है। अभी भारतीय कंपनियां 72 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे की दर पर तेल की खरीद कर रही हैं। इसका फायदा कंपनियां यह कहते हुए आम जनता तक नहीं दे रही है कि पिछले दिनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमत बढ़ने के बावजूद जनता पर बोझ नहीं बढ़ाया गया था।

खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि नहीं

बहरहाल पेट्रोल पंप मालिकों को जरूर तोहफा दिया गया है। उनकी पुरानी मांग को स्वीकार करते हुए पेट्रोल बिक्री पर 67 पैसे प्रति लीटर और डीजल बिक्री पर 44 पैसे प्रति लीटर का अतिरिक्त कमीशन देने का फैसला किया है। पेट्रोल पंप मालिकों के एसोसिएशन और पेट्रोलियम मंत्रालय के बीच कई दौर की बातचीत के बाद यह फैसला किया गया है। वैसे इस मार्जिन बढ़ने के बावजूद खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उम्मीद जताई है कि कमीशन बढ़ने के बाद पेट्रोल पंप पर ग्राहकों की सेवा का स्तर बेहतर होगा।

यहां हुई पेट्रोल व डीजल की कीमतें कम

वैसे देश के कुछ राज्यों के कुछ हिस्सों में आम जनता को पेट्रोल व डीजल की कीमतों में राहत भी मिलेगा। सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ राज्यों में पेट्रोल व डीजल की ढुलाई पर अंतरराज्यीय लागत को समायोजित करने का फैसला किया है जिसकी वजह से हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड व कुछ पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ जगहों में पेट्रोल व डीजल की कीमतें कम हो गई हैं।

बड़ी सौगात का हार्दिक स्वागत

पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि हिमाचल प्रदेश के काजा में पेट्रोल की कीमत 3.59 रुपये और डीजल 3.13 रुपये प्रति लीटर, उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में उक्त दोनों उत्पादों की कीमतों में क्रमशः 3.83 रुपये और 3.27 रुपये प्रति लीटर की कमी हुई है। पुरी ने बताया है कि धनतेरस के शुभ अवसर पर तेल कंपनियों द्वारा पेट्रोल पंप डीलरों को दी गई बड़ी सौगात का हार्दिक स्वागत।

उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल व डीजल सस्ता होगा

सात वर्षों से चली आ रही मांग पूरी हुई। उपभोक्ताओं को मिलेंगी बेहतर सेवाएं पर पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। तेल कंपनियों द्वारा दूरदराज स्थानों (तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल डिपो से दूर) पर स्थित उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए अंतर-राज्य माल ढुलाई को युक्तिसंगत बनाने का भी बड़ा निर्णय लिया गया है। इससे बहुत जगहों के उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल व डीजल सस्ता होगा।

उन्होंने कुछ आंकड़े भी दिए हैं जिसके मुताबिक छत्तीसगढ़ के बीजापुर, बैलादिला, काटेकल्याण, बछेली, दांतेवाड़ा और सुकमा में भी पेट्रोल व डीजल की खुदरा कीमतें कम होंगी। ओडिशा के कुछ जगहों (कुनानपोली) में 4.69 रुपये और 4.55 रुपये तक कीमतें कम होंगी।

कमीशन की नई दर में वृद्धि

इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने अलग अलग जानकारी दी है कि पेट्रोल पर कमीशन की राशि 67 पैसे प्रति लीटर और डीजल पर 44 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि कर दी गई है। अभी दिल्ली में पेट्रोल पर 3.12 रुपये और डीजल पर 2.17 रुपये की कमीशन लागू है। कमीशन की नई दर में वृद्धि 30 व 31 अक्टूबर की मध्य रात्रि से लागू होगी। ऑल इंडिया पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अजय बंसल ने कहा है कि कमीशन की राशि में औसतन 50 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। इससे सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहूलियत होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023